● वर्ष-4
● अंक-55
रायपुर, शुक्रवार
11 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

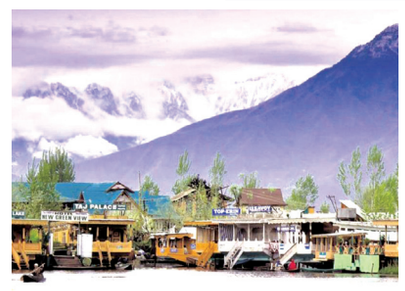

पेज-6»»» धरती का स्वर्ग कश्मीर...

रतन के अंतिम दर्शन करने उमड़ा सैलाब

मुंबई। देश के सबसे बड़े उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार रात को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में निधन हो गया। अपने कौशल के जरिये टाटा समूह को बुलंदियों पर ले जाने वाले रतन टाटा के निधन से देशभर में शोक की लहर है। सादगी, विनम्रता और परोपकार के गुण से उन्होंने सभी के दिल पर अमिट छाप छोड़ी। निधन के बाद एनसीपीए ग्राउंड में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। यहां उनके अंतिम दर्शन के लिए सैलाब उमड़ पड़ा। उद्योग, फिल्म, राजनीति से लेकर कई केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री रतन टाटा को आखिरी विदाई देने पहुंचे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि रतन टाटा जी को हमेशा देशभक्ति और ईमानदारी के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा। दुनिया भर में सम्मानित एक उद्योगपति के रूप में, उन्होंने टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई। उनका जीवन और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता भारत के औद्योगिक परिदृश्य में एक ध्रुव तारे के रूप में खड़ी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक-चेयरपर्सन नीता अंबानी ने मुंबई में रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा उद्योग जगत की तमाम हस्तियों ने रतन टाटा को नमन किया।

एनसीपीए ग्राउंड में रतन टाटा अंतिम दर्शन के लिए सैलाब उमड़ पड़ा। रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी और पीरामल समूह के कार्यकारी निदेशक आनंद पीरामल ने रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। राज ठाकरे, अभिषेक मनु सिंघवी, आदित्य बिरला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिरला, शरद पवार, सचिन तेंदुलकर भी उनको श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

फिल्म अभिनेता आमिर खान और फिल्म निर्देशक किरण राव ने एनसीपीए ग्राउंड पहुंचकर रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। फिल्म निर्माता आमिर खान ने कहा कि यह देश के लिए दुखद दिन है। देश के लिए रतन टाटा का योगदान अमूल्य है। वे हमेशा यादों में रहेंगे। किरण राव ने कहा रतन टाटा बेहद अच्छे इंसान थे। यह बहुत दुखद है कि वे अब हमारे बीच में नहीं हैं। उन्होंने देश के लिए बहुत कुछ किया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी रतन टाटा के अंतिम दर्शनों के लिए एनसीपीए ग्राउंड पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि रतन टाटा एक दूरदर्शी उद्योगपति थे.

रेलवे सुरक्षा में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है कवच

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे, भारत के परिवहन नेटवर्क की जीवन रेखा है। शुरुआत से इस विशाल नेटवर्क ने देश की वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी के साथ ये बड़े और भयावह हादसों का भी प्रतीक रहा है। अतीत से लेकर अब तक भारतीय रेलवे ने कई दुखद दुर्घटनाएं देखी हैं, जिसमें अनगिनत लोगों की जान जा चुकी हैं। रेलवे को इन हादसों से मुक्त करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इसी कड़ी में सरकार ने आरडीएसओ की मदद से कवच नामक एक स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली विकसित की है, जिससे हादसों पर रोक लगेगी।

क्या है कवच?

भारतीय रेलवे ने मानवीय भूल से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए %कवच% (ट्रेन टक्कर परिहार प्रणाली) नामक एक स्वदेशी

स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली विकसित की है। भारतीय रेलवे ने इसे आरडीएसओ (अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन) के माध्यम से विकसित किया है। इस पर 2012 में काम शुरू हुआ था। इस प्रणाली को विकसित करने के पीछे रेलवे का उद्देश्य ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकना था। इसका पहला ट्रायल साल 2016 में किया गया था। रेलवे के मुताबिक यह सबसे सस्ता स्वचालित ट्रेन टक्कर सुरक्षा सिस्टम है। यह तकनीक सेफ्टी इंटीग्रिटी लेवल 4 (एसआईएल-4) प्रमाणित है, जो उच्चतम प्रमाणन स्तर है। इसका मतलब है कि कवच द्वारा गलती की संभावना 10,000 में से केवल एक है।

कवच, भारत की स्वदेशी रेल सुरक्षा प्रणाली, रेलवे आधुनिकीकरण और सुरक्षा में एक बड़ी छलांग का प्रतिनिधित्व करती है। 2014 से, भारतीय रेलवे ने सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए 1,78,012 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिनमें शामिल हैं- उन्नत ट्रैकसाइड उपकरण, अत्याधुनिक तकनीकें और व्यापक कार्मिक प्रशिक्षण। कवच यात्रियों की सुरक्षा के लिए भारतीय नवाचार और प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो लाखों दैनिक यात्रियों के लिए एक सुरक्षित और अधिक सुरक्षित रेल नेटवर्क सुनिश्चित करता है।

कैसे करता है ये काम?

कवच हाई फ्रीक्वेंसी रेडियो संचार का उपयोग करता है और टकराव को रोकने के लिए निरंतर अपडेट के सिद्धांत पर काम करता है। अगर ड्राइवर इसे नियंत्रित करने में विफल रहता है, तो सिस्टम स्वचालित रूप से ट्रेन के ब्रेक को सक्रिय कर देता है। यह कवच सिस्टम से लैस दो इंजनों के बीच टकराव से बचने के लिए भी ब्रेक लगाता है। जैसे ही कोई लोको पायलट सिग्नल जंप करता है, कवच सक्रिय हो जाता है। यह लोको पायलट को सचेत करना शुरू कर देता है। इसके बाद, यह स्वचालित रूप से ब्रेक को नियंत्रित करना शुरू कर देता है। जैसे ही सिस्टम को पता चलता है कि ट्रैक पर दूसरी ट्रेन आ रही है, यह पहली ट्रेन की आवाजाही को पूरी तरह से रोक देता है। इसकी सबसे खास बात यह है कि अगर कोई ट्रेन सिग्नल जंप करती है, तो 5 किलोमीटर के दायरे में सभी ट्रेनों की आवाजाही रुक जाएगी। फिलहाल इसे सभी रूटों पर नहीं लगाया गया है।

कवच के अंतर्गत आने वाले मार्ग

कवच, भारतीय रेलवे की सुरक्षा प्रणाली, ने 2016 में फील्ड ट्रायल से शुरू किया और 2019 में विश्व स्तर पर सर्वोच्च सुरक्षा प्रमाणन स्कोर प्राप्त किया। 2020 में इसे राष्ट्रीय एटीपी समाधान के रूप में अनुमोदित किया गया। भारतीय रेलवे ने 44,000 किलोमीटर ट्रैक पर कवच तैनात करने का लक्ष्य रखा है। 301 से अधिक इंजनों और 273 स्टेशनों पर सिस्टम लगाया जा चुका है। कवच से मानवीय भूल के कारण होने वाली मौतों को खत्म करने की उम्मीद है। ऑप्टिकल फाइबर की स्थापना 4,000 किलोमीटर से अधिक तक फैली हुई है और 356 संचार टावर स्थापित किए गए हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 29 मार्च को कवच के तहत लाए गए रूटों के बारे में लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में जानकारी दी थी। मार्च तक, दक्षिण मध्य रेलवे में 1455 किमी (रूट किलोमीटर) नेटवर्क मार्ग को कवच के तहत लाया गया है,

हिज़्ब-उत-तहरीर पर लगा बैन

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने वैश्विक पैन-इस्लामिक कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर को प्रतिबंधित संगठन घोषित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जिहाद के माध्यम से लोकतांत्रिक सरकार को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है। गृह मंत्रालय ने भी HuT को भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया। ऐसा तब हुआ जब तमिलनाडु हिज्ब-उत-तहरीर मामले के संबंध में कई व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भारत में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने के प्रयास शामिल थे। बुधवार को अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एचयूटी संगठन के नकीब या राज्य अमीर फैजुल रहमान को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार सदस्य कथित तौर पर संगठन के केंद्रीय मीडिया कार्यालय के आदेश पर गुप्त और एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से अपने अनुयायियों के बीच एचयूटी की हिंसक विचारधारा फैला रहे थे। एनआईए के एक बयान में कहा गया, आरोपी ने कई समूहों के बीच हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा को फैलाने के लिए कई गुप्त बैठकें की थीं और पूरे तमिलनाडु में विभाजनकारी अभियान चलाया था। एनआईए ने छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, जो कथित तौर पर चरमपंथी, कट्टरपंथी और मौलिक संगठन से प्रभावित थे जो इस्लामी खिलाफत स्थापित करने और इसके संस्थापक तकी अल-दीन अल-नभानी द्वारा लिखित संविधान को लागू करने की कोशिश कर रहे थे।

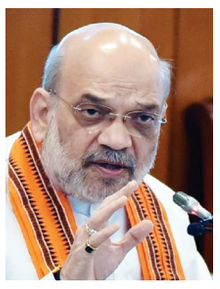

बंगाल में ममता सरकार पर बरसे नड्डा बोले-

यहां महिलाओं के साथ हो रही क्रूरता देखता हूं...

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आज पश्चिम बंगाल में हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में संतोष मित्रा स्क्वायर पूजा पंडाल में नवरात्रि के शुभ अवसर पर माँ दुर्गा की पुजा अर्चना की। इसके बाद नड्डा ने विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बातचीत भी की। इस दौरान नड्डा ने कहा कि मां दुर्गा करुणा और शक्ति की प्रतीक हैं। लेकिन जब मैं बंगाल आता हूं और यहां महिलाओं के साथ हो रही क्रूरता देखता हूं, तो मैं मां दुर्गा से विशेष प्रार्थना करता हूं कि यहां जो सत्ता में बैठे हैं उनके मन में करुणा आए और हम यहां हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ सकें। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अभी 2 दिन पहले हरियाणा के चुनाव में हमें जीत हासिल हुई। उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्रों में मां दुर्गा की ये कृपा रही कि जिस प्रकार झूठ फैलाया जा रहा था, समाज को बांटने और तोड़ने का काम किया जा रहा था, तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति की जा रही थी, युवाओं और महिलाओं को भ्रमित करने और किसानों को भड़काने की कोशिश की जा रही थी, इन सबका जवाब हरियाणा और जम्मू-कश्मीर की जनता ने भरपूर तरीके से दिया है। उन्होंने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा ने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। 29 सीटों के साथ पिछली बार से ज्यादा वोट शेयर हमें मिला है। राष्ट्रवादी ताकतें वहां मजबूत हो रही हैं।

नड्डा ने दावा किया कि बंगाली भाषा को शास्त्रीय भाषा बनाने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। आपको जानकर खुशी होगी कि बंगाली भाषा देश में दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली और विश्व में सातवें नंबर पर सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है।

प्रमुख समाचार

झारखंड के चुनावी रण में उतरेगी एचएएम

पटना। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री और पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने झारखंड के चुनावों में 10 सीटों पर लड़ने का दावा ठोंका है। हालांकि, बिहार के पूर्व सीएम ने एनडीए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। गठबंधन के अंदर रहकर उन्होंने चुनाव लड़ने की बात कही है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को कहा कि एनडीए की सहयोगी उनकी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव में कम से कम 10 सीटों पर चुनाव लड़ने का लक्ष्य लेकर चल रही है। हालांकि उन्होंने ये भी साफ कर दिया कि, वह भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के भीतर किए गए किसी भी सीट-बंटवारे की व्यवस्था का पालन करेंगे। इससे पहले चतरा में एक रैली के दौरान उन्होंने कम से कम 10 सीटों पर चुनाव लड़ने के इरादे की पुष्टि की थी। मांझी ने कहा कि, हम एनडीए का हिस्सा हैं... झारखंड में अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ परामर्श के बाद जो भी सीट-बंटवारे की व्यवस्था की जाएगी, मैं उसे स्वीकार करूंगा। लेकिन हम झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेंगे; यह बिल्कुल स्पष्ट है।

न्याय न केवल किया जाए बल्कि होते हुए भी दिखे: चंद्रचूड़

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में न्यायालयों के लोक लुभावन फैसलों को लेकर न्यायाधीशों को नसीहत दी। सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीश सांवधानिक और कानूनी सवालों पर फैसला करते समय लोकप्रिय नैतिकता से मुक्त होकर काम करें। न्यायालयों की वैधता और विश्वसनीयता का आधार जनता का भरोसा है। इसलिए जब भी फैसले सुनाए जाएं तो यह ध्यान रखा जाए कि न्याय न केवल किया जाए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। भूटान में जिग्मे सिंग्ये वांगचुक व्याख्यान में संबोधन के दौरान सीजेआई ने न्यायपालिका की विश्वसनीयता और अदालतों के संस्थागत विश्वास पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय सुप्रीम कोर्ट को लोगों की अदालत होने पर गर्व है। अदालत लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी समस्याओं को भी दूर कर रही है, इसलिए लोगों को विश्वास मायने रखता है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों से अपेक्षा की जाती है कि वे सांवधानिक या कानूनी प्रश्नों पर निर्णय लेते समय लोकप्रिय नैतिकता के बोझ से मुक्त होकर कार्य करें।

सभी विधायक फंड ठेके की पूरी आडिट निगरानी हो-भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा है की सरकार एवं विधानसभा के कार्यकाल के लगभग अंतिम क्षणों में मुख्य मंत्री आतिशी मार्लेना द्वारा वार्षिक विधायक फंड को 10 करोड़ रूपए से बढ़ा कर 15 करोड़ करने की घोषणा एक छलावा मात्र है। यह विधायक फंड वृद्धि क्षेत्रीय समस्यों के समाधान एवं विकास में कम और सत्तारूढ़ विधायकों की कमीशनखोरी व ठेकेदारों और अधिकारियों की बंदरबाँट में ज्यादा खर्च होने की पूरी सम्भावना है। भाजपा नेताओं ने कहा है कि दिल्ली में वार्षिक विधायक फंड 10 करोड़ है, वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 2020 से प्रारम्भ हुआ पर अरविंद केजरीवाल सरकार ने पहले 4 सालों में 40 करोड़ रूपये की जगह सिर्फ 15 करोड़ रूपये विधायक फंड दिया जिसका बड़ा सबूत है दिल्ली की आंतरिक सड़कों एवं गलियों की बदहाली एवं चरमराई सीवर व्यवस्था जिस पर अधिकांश विधायक फंड लगता था। अब जब सरकार एवं विधानसभा का जीवन अपने अंतिम 100 दिन में पहुंच चुका है.

महाराष्ट्र में किशोर न्याय बोर्ड के 2 सदस्य बर्खास्त

मुंबई। महाराष्ट्र में पुणे पोर्श हिट एंड रन केस में सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में किशोर आरोपी को नरम शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने के देने वाले किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के दो सदस्यों को बर्खास्त कर दिया गया। दो सदस्यों की पहचान एल एन दानवाडे और कविता थोराट के रूप में की गई, इन सदस्यों के खिलाफ महिला एवं बाल विकास विभाग ने शिकायत दर्ज की थी। राज्य के अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्रवाई डब्ल्यूसीडी विभाग (जो नाबालिग आरोपी को दी गई जमानत के संबंध में दो सदस्यों के आचरण की जांच कर रही थी) के नेतृत्व वाली एक समिति द्वारा सदस्यों द्वारा प्रक्रियात्मक खामियों का हवाला दिए जाने के बाद की गई है। डब्ल्यूसीडी विभाग के आयुक्त प्रशांत नारनवरे ने मीडिया को बताया कि मैंने राज्य सरकार को जांच पैनल की रिपोर्ट दी थी और सिफारिश की थी कि दोनों सदस्यों की नियुक्ति समाप्त कर दी जाए। उन्होंने कहा कि बर्खास्तगी की सिफारिश करने वाली रिपोर्ट जुलाई में राज्य सरकार को भेजी गई थी। राज्य सरकार ने मंगलवार को दोनों सदस्यों की नियुक्ति समाप्त कर दी क्योंकि उन्हें किशोर न्याय अधिनियम के तहत प्रदान की गई.

रमेश नगर में 2000 करोड़ की कोकीन बरामद

नई दिल्ली। दुबई से भारी मात्रा में कोकीन एक कंपनी के जरिए भारत भेजी गई है। इस कंपनी की पहचान कर ली गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अधिकारी इस कंपनी के अधिकारियों से पूछताछ कर रहे हैं और ये पता कर रहे हैं कि कितनी मात्रा में कोकीन भारत भेजी गई है। अभी तक भारत में कुल 773 किलोग्राम कोकीन पकड़ी जा चुकी है। इतनी मात्रा में देश से कोकीन बरामद होने पर देश की सुरक्षा एंजेंसियां हाई अलर्ट मोड में आ गई हैं। सभी राज्यों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। स्पेशल सेल ने अब नार्को टेरर का लिंक भी खंगालना शुरू कर दिया है। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दुबई से कोकीन की खेप सीधे गाजियाबाद व हापुड़ पहुंची थी। यहां गोदाम में पूरी खेप को रखा गया था। यहां से खेप भारत के अन्य राज्यों में भेजी जा रही है। दिल्ली के रमेश नगर से जो 208 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई है वह भी गाजियाबाद से यहां पहुंचाई गई थी। यहां से ये खेप आगे पहुंचाई जाती उससे पहले ही महिपालपुर में कोकीन की खेप पकड़ी गई। इसके बाद इस खेप की निगरानी करने भारत आया सविंदर गोदाम बंद कर बुधवार रात को लंदन फरार हो गया।

हरियाणा में भी चला मोदी की करिश्माई लोकप्रियता का जादू

कृष्णमोहन झा

हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणामों ने कांग्रेस की सारी उम्मीदों पर फेर दिया है।उसके लिए हरियाणा के चुनाव परिणाम निराशाजनक साबित हुए हैं। कांग्रेस यह उम्मीद लगाए बैठी थी कि दस साल बाद उसे पुन: राज्य की सत्ता पर काबिज होने का सौभाग्य मिलने जा रहा है परंतु शायद वह जनता के रुख का अंदाजा लगाने में भूल कर बैठी और अब लगातार तीसरी बार उसे सदन के अंदर विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। गौरतलब है कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने विधानसभा चुनावों की घोषणा के कुछ माह पूर्व नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री पद की बागडोर सौंपी थी जबकि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया था। भाजपा हाईकमान ने जिस रणनीति के तहत हरियाणा में नेतृत्व परिवर्तन किया था उस रणनीति का भाजपा को पूरा फायदा मिला और वह लगातार तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने में कामयाब हो गई। गौरतलब है कि भाजपा ने चुनावों के कुछ माह पूर्व इस तरह के

प्रयोग कुछ अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी किए और सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने में कामयाबी भी मिली। निश्चित रूप से हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की इस जीत ने केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर खट्टर का कद भी बढ़ा दिया है जो लगभग 9 साल तक मुख्यमंत्री की की कुर्सी पर आसीन रहे। हरियाणा में भाजपा की शानदार जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का उमंग और उल्लास चरम पर है जबकि कांग्रेस को यह समझ नहीं आ रहा है कि मतदान संपन्न होने के बाद घोषित हुए सारे चैनलों के एक्जिट पोल के नतीजे कैसे गलत साबित हो गये । दरअसल अब कांग्रेस को हरियाणा में मिली शोचनीय हार को स्वीकार करने का साहस दिखाना चाहिए और यह आत्म मंथन भी करना चाहिए कि आखिर क्यों जनता से उसकी दूरियां कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं।यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं है कि चुनावों में अपनी आसन्न पराजय दीवार पर लिखी इबारत के समान स्पष्ट दिखाई देने के बावजूद कांग्रेस के सभी दिग्गज नेता सत्ता में वापसी का दावा कैसे कर रहे थे। मतदान संपन्न होने के बाद तो कांग्रेस को इतने अतिआत्मविश्वास ने जकड़ लिया था कि उसके अंदर नये मुख्यमंत्री के नाम पर भी विचार विमर्श प्रारंभ हो चुका था। मतगणना के दिन सुबह भी पार्टी के अंदर इसी तरह की चर्चाएं चल रही थीं लेकिन दो तीन घंटे की मतगणना के बाद सभी कांग्रेस नेताओं के चेहरों का रंग फीका पड़ने लगा। एक्जिट पोल के नतीजों पर आंख मूंद कर भरोसा करना उन्हें महंगा पड़ा। काश कांग्रेस के नेताओं ने एक बारगी यह भी सोच लिया होता कि एक्जिट पोल के नतीजे जिस तरह अतीत में भी कई बार गलत साबित होते रहे हैं उसी तरह इस बार भी गलत साबित

हो गये तो पार्टी को कितनी किरकिरी का सामना करना पड़ेगा।

हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणामों से ऐसा प्रतीत होता है कि वहां भाजपा के पक्ष में पहले से ही अंडर करंट बह रहा था जिसे भांपने में कांग्रेस के रणनीतिकारों से चूक हो गई। इसमें कोई संदेह नहीं कि हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणामों ने समूची कांग्रेस पार्टी को हक्का बक्का कर दिया है । उसकी समझ में ही आ रहा है कि मतगणना के रुझान कैसे उसके पक्ष में आते आते उसकी गहरी शिकस्त का संदेश लेकर आ गये। दरअसल कांग्रेस को अपनी इस शोचनीय हार के लिए किसी और पर दोषारोपण करने के बजाय यह स्वीकार करने का साहस दिखाना चाहिए कि हरियाणा में उसके वरिष्ठ नेताओं के मतभेदों और मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा ने उसे लगातार तीसरी बार करारी हार की कगार पर पहुंचा दिया। कांग्रेस सांसद एवं मुख्यमंत्री पद की दावेदार कुमारी शैलजा की टिकट वितरण में जिस उपेक्षा की गई उससे नाराज़ हो कर उन्होंने दस दिन तक न केवल पार्टी के चुनाव अभियान से खुद को अलग रखा बल्कि वे घर के बाहर ही नहीं निकलीं । उनकी नाराजगी दूर करने के लिए खुद राहुल गांधी को आगे आना पड़ा। राहुल गांधी ने मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा से उनका हाथ मिलवाकर यह संदेश देने की कोशिश तो जरूर की कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है परन्तु तब तक काफी देर हो चुकी थी। पार्टी के चुनाव अभियान से कुमारी शैलजा की इस दूरी ने पार्टी की चुनावी संभावनाओं को बहुत प्रभावित किया। टिकट वितरण में भूपिंदर सिंह हुड्डा ने जिस अपना वर्चस्व कायम रखा उसने भी अनेक नेताओं को रुष्ट कर दिया।

कुमारी शैलजा की नाराज़गी ने दलित वोट बैंक को पार्टी से दूर करने में बड़ी भूमिका निभाई। कांग्रेस ने यह खुशफहमी भी पाल रखी थी हरियाणा में किसानों की नाराज़गी, अग्निवीर योजना का कथित विरोध , एंटी इन्कमबैंसी जैसे कारक उसका सत्ता से एक दशक पुराना वनवास समाप्त कराने में मददगार साबित होंगे परंतु शायद वह इस हकीकत को भूल गई कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की करिश्माई लोकप्रियता को चुनौती देने की स्थिति तक पहुंचना उसके लिए अभी नामुमकिन ही है।

दुर्ग में मुस्लिम युवक ने हिंदू बनने के लिए कोर्ट में लगाई गुहार

मुस्लिम होने के दस्तावेजों को बताया फर्जी

दुर्ग। आपने अब तक लव जिहाद और दूसरे माध्यमों से धर्म परिवर्तन के बारे में सुना होगा।लेकिन दुर्ग में एक युवक ने प्रशासन के पास जाकर खुद का नाम और धर्म बदलने की गुहार लगाई है। युवक के दस्तावेजों में जो नाम अंकित है वो उसे मुस्लिम करार देते हैं।लेकिन युवक की माने तो वो हिंदू है,क्योंकि उसके पिता हिंदू हैं।लिहाजा अब युवक ने जिला प्रशासन से अपना नाम और धर्म बदलने की गुहार लगाई है।

जिस युवक ने खुद को हिंदू बनाने के लिए गुहार लगाई है उसका असली नाम सोनू तिवारी है।उसके पिता शिवकुमार तिवारी ने मुस्लिम लड़की से शादी की थी।जिसके बाद 8 सितंबर 1992 को सोनू का जन्म हुआ। स्कूल में

जब बच्चे का दाखिला हुआ तो उसका नाम सोनू तिवारी था।लेकिन इसके कुछ दिन बाद शिवकुमार को किसी मामले में जेल हो गई।शिवकुमार के जेल में जाने के बाद सोनू की मां उसे लेकर अपने मायके आ गई।जहां पर सोनू का नाम बदलकर फिरोज अंसारी कर दिया गया। सोनू की माने तो उसके मामा ने आधार और दूसरे दस्तावेजों में पिता की जगह जिसका नाम लिखवाया है,वो उसे नहीं जानता है।

फिरोज अंसारी उर्फ सोनू तिवारी ने कहा मेरा आधार कार्ड फर्जी है।उसमें किसी तरह का कोई डॉक्यूमेंट नहीं लगा है।कल को मेरे साथ कोई हादसा हुआ या मुझे अपना वीजा लगवाना हुआ तो डॉक्यूमेंट की जरुरत पड़ेगी।मुझे धर्म से मतलब नहीं है बस मेरे डॉक्यूमेंट में जो मेरा नाम है, वही नाम से मैं अपनी पहचान चाहता हूं।

अब कसारीडीह इलाके में रहने वाला फिरोज अंसारी उर्फ सोनू तिवारी पिछले दो साल से खुद को हिंदू और जाति ब्राह्मण साबित करने के लिए सरकारी दफ्तर के चक्कर काट रहा है। फिरोज उर्फ सोनू का कहना है कि उसने आधार कार्ड में नाम बदलने के लिए कलेक्टर और एसडीएम कार्यालय में गुहार लगाई।

वकील विवेकानंद चौबे ने कहा पिता ब्राह्मण और माता मुस्लिम थी, इसके पापा जेल जाने के बाद, इसके मामा लोग इस मुस्लिम बना दिए। जबरन का मुस्लिम धर्म थोप दिया। मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार सोनू को खतना करवा दिया। मामा लोगों ने उसका नाम फिरोज अंसारी रख दिया। हिंदू धर्म अपनाने के लिए अब दुर्ग कोर्ट में हिंदू अधिनियम के तहत याचिका लगाई गई है।

सोनू की मां परवीन बानो ने सहमति पत्र लिखकर दिया कि सोनू के पिता का नाम शिवकुमार तिवारी है। वो हिंदू धर्म में जाना चाहता है। ऐसे में उसे कोई आपत्ति नहीं है।बताया जा रहा है कि, फिरोज (सोनू) का एक और भाई है।उसने मुस्लिम धर्म ही अपनाया है।

महानवमी पर कांकेर में पहली बार सुवा नृत्य महोत्सव का होगा आगाज

कांकेर। शारदीय नवरात्र के नौवें दिन कांकेश्वरी नवरात्र महोत्सव का आगाज किया जा रहा है। महोत्सव में सुवा नृत्य का ओयजन किया गया है। आयोजन में बस्तर की कई टीमें हिस्सा लेंगी। हिस्सा लेने वाली टीमें सुवा डांस में अपना जलवा दिखाएंगी। सुवा नृत्य महोत्सव का आयोजन नरहरदेव ग्राउंड में किया है। कार्यक्रम का आगाज शुक्रवार शाम से शुरु होगा। कार्यक्रम में शामिल होने वाली टीमों के आने का सिलसिला भी शुक्रवार की सुबह से शुरु हो जाएगा। आयोजन को लेकर आयोजकों ने बड़ी तैयारियां की है। सुवा नृत्य महोत्सव में मुख्य रुप से छत्तीसगढ़ी लोक गायिका आरु साहू को भी बुलाया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप और शहर भर के जाने माने लोग शामिल होंगे। आयोजकों ने बताया है कि कांकेर शहर में पहली बार सुवा नृत्य का ओयजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का मकसद सुवा नृत्य की पहचान बनाए रखना और आने वाली पीढ़ी को उसके बारे में बताना है।

क्षेत्रीय सरस मेला 12 अक्टूबर को

वनमंत्री केदार व उप मुख्यमंत्री शर्मा करेंगे उद्घाटन

जगदलपुर। जिला प्रशासन द्वारा क्षेत्रीय सरस मेला-2024 का आयोजन 12 से 19 अक्टूबर 2024 तक जगदलपुर शहर के लालबाग मैदान में किया जा रहा है। क्षेत्रीय सरस मेला 2024-बस्तर का उद्घाटन समारोह 12 अक्टूबर सुबह 11 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता एवं संसदीय कार्य विभाग केदार कश्यप और कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री एवं गृह, जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा करेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि में बस्तर सांसद महेश कश्यप, विधायक जगदलपुर किरण देव, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, विधायक बस्तर लखेश्वर बघेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, महापौर श्रीमती सफिरा साहू के आतिथ्य में उद्घाटन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कलेक्टर हरिस एस. के मार्गदर्शन में आयोजित इस सरस मेले में कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक कबड्डी, वॉलीबॉल, रस्सा-कस्सी, और खो-खो जैसे खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसके साथ ही संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोक नृत्य दलों और स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी। मेले में विभिन्न विभागों की योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी के साथ-साथ स्व सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो मेले का एक और खास आकर्षण होगी। क्षेत्रीय सरस मेला बस्तर के ग्रामीण और सांस्कृतिक धरोहरों को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों के व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

बैंक ने काटा शिक्षक का वेतन

नाराज अध्यापक ने बैंक के बाहर मुंडन करावकर किया पिंडदान

मनेंद्रगढ़। मनेंद्रगढ़ से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक दिव्यांग शिक्षक ने अपने पिता की आत्मा की शांति के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के समीप पिंडदान कर विरोध जताया है। दिव्यांग शिक्षक पवन दुबे ने बताया कि 24 सितंबर को अचानक उनके पिता का देहांत हो गया था। उनके पिता के निधन के बाद हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार उन्होंने अंतिम संस्कार किया। इसके बाद उन्हें कहीं आना-जाना मना था।

इसी बीच, शिक्षक ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने निवेदन किया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और सितंबर माह का लोन न काटकर अगले महीने की कटौती की जाए, लेकिन बैंक के प्रबंधक ने दिव्यांग शिक्षक के प्रार्थना पत्र को नजरअंदाज कर दिया और शिक्षक का वेतन काट लिया। इस स्थिति ने दिव्यांग शिक्षक के लिए अपने पिता का अंतिम संस्कार संपन्न करना मुश्किल कर दिया। मानसिक और सामाजिक लाचारी के

चलते शिक्षक पवन दुबे ने नाराज होकर बैंक के सामने अपने पिता की आत्मा की शांति के लिए मुंडन करवाया और वहीं पिंडदान भी किया।

बैंक प्रबंधक के इस अमानवीय व्यवहार को लेकर समाज में भारी आक्रोश है। लोग खुलेआम बैंक की निंदा कर रहे हैं और इसे संवेदनहीनता की चरम सीमा मान रहे हैं। वहीं, जब बैंक के शाखा प्रबंधक से इस बारे में जानकारी लेनी चाही गई तो उन्होंने कुछ भी कहने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया और उच्च अधिकारियों से बात करने की सलाह दी। यह देखना होगा कि बैंक प्रबंधन की इस मनमानी पर कब तक कोई कार्रवाई की जाती है या फिर लोगों को इसी तरह मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित होते रहना पड़ेगा।

चला रहे थे प्रतिबंधित गुटखा फैक्टरी, तीन आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। पुरानी भिलाई पुलिस ने जर्दायुक्त गुटखा का संचालन करने वाले गुटखा किंग समेत 3 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कुछ दिनों पूर्व अवैध गुटखा फैक्टरी का खुलासा किया था जहां पर प्रतिबंधित जर्दा युक्त गुटखा का निर्माण किया जा रहा था। पुलिस ने गुटखा बनाने का सामग्री, पैकेजिंग मशीन समेत दो मालवाहक को जब्त किया था।

छावनी सीएसपी हरीश पाटिल के नेतृत्व में दो अक्तूबर को उमदा में प्रतिबंधित तंबाकू गुटखा फैक्ट्री का संचालन की जानकारी मिलने पर तीन थानों की टीम ने अवैध गुटखा की फैक्ट्री और परिवहन करते पकड़ा गया था। पुलिस ने एवरग्रीन सिटी के पास एक फैक्ट्री में कुछ लोग अवैध रूप से गुटखा बना कर बाजार में बेचने के लिए बना रहे थे। पुलिस ने मौके से एक चार पहिया वाहन में लोड 60 बोरी गुटखा एवं 20 बोरी गुटखा अलग से रखा हुआ। इसके अलावा मौके से गुटखा बनाने वाली मशीन, गुटखा बनाने में उपयोग किए जाने वाले सामा को जब्त किया गया है। पुलिस ने इस मामले में 11 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।

पूछताछ में पुलिस को जानकारी मिली कि गुटखा के कारोबार करने वाले साजिद खान अपने साथियों के साथ मिलकर प्रतिबंधित जर्दा युक्त गुटखा फैक्ट्री का संचालन किया जा रहा था। जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश में थी। पुलिस ने अब साजिद खान समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सिरसा गेट चौक पर एक मालवाहक में 60 सफेद बोरियो में पानराज जर्दायुक्त गुटखा जब्त किया था। पुलिस ने 25 लाख का गुटखा समेत 60 लाख का सामान जब्त किया है।

दुर्ग सेंट्रल जेल में वसूली की शिकायत

■ आईजी से गुहार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की दुर्ग सेंट्रल जेल से छूटने के बाद भिलाई के जामुल निवासी एन सुनील नाम के युवक ने आईजी रामगोपाल गर्ग से लिखित शिकायत की है। उसने आरोप लगाया है कि जेल में सुविधाओं के लिए मुख्य प्रहरी रमेश बारसे और कैदी दीपक नेपाली उसके साथ मारपीट करते थे, साथ ही दबाव बनाकर चक्कर अधिकारी के लिए स्कूटी भी खरीदवाया। शिकायत मिलते ही तत्काल आईजी रामगोपाल गर्ग ने इस पर संज्ञान लिया है।

दुर्ग सेंट्रल जेल अधीक्षक मनीष संभाकर ने बताया, शिकायत की कॉपी हमें भी आईजी ऑफिस से मिली है। संबंधित सेक्टर प्रभारी का चार्ज मुख्य प्रहरी रमेश बारसे के पास था, उनको हटाया गया है, उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच में यह पाया जाता है कि वह दोषी हैं तो उन पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

दुर्ग सेंट्रल जेल अधीक्षक मनीष संभाकर के मुताबिक, दीपक नेपाली पर पहले भी प्रकरण दर्ज थे, पहले

भी जेल स्थानांतरण के लिए प्रयास किया गया था। हमने फिर आवेदन लगाया है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही जेल ट्रांसफर के लिए अभिमत आ जाएगा।

मनीष संभाकर ने यह भी कहा कि जेल में किसी भी प्रकार का स्पेशल ट्रीटमेंट या विशेष सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। सभी लोगों को समान ट्रीट किया जाता है। लगातार विधिक सेवा प्राधिकरण के सेक्रेटरी विजिट करते हैं। अभी डिस्ट्रिक्ट जज ने विजिट किया। जेल की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। किसी तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है।

मनीष संभाकर ने कहा किसी को शिकायत करना होता है तो वह बता सकता है। हर सोमवार को बंदियों के लिए साप्ताहिक परेड आयोजित होती है। इसमें बंदी को कोई समस्या है तो वह बताता है और उसका निराकरण भी किया जाता है।

दुर्ग सेंट्रल जेल अधीक्षक मनीष संभाकर ने यह भी कहा कि जेल के ऊपर सवाल नहीं उठते, जेल में शिकायतें होती रहती हैं। बहुत सारी शिकायत आपसी दुश्मनी की भी होती है। लगातार हमें शिकायतें मिली हैं, जिसमें जांच की गई है। मनीष संभाकर ने कहा हम लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। फिलहाल जेल के अंदर मोबाइल चलाने की सीधी शिकायत हम तक नहीं पहुंची है। हम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं।

दुर्ग सेंट्रल जेल अधीक्षक के मुताबिक तीन चार प्रकरण ऐसे मिले जिसमें शिकायतकर्ता को पत्र भेजा गया, लेकिन वह नहीं आया। जब कभी शिकायतकर्ता मिला भी, वह गवाही देने पहुंचा, उसमें यह तथ्य भी सामने आया कि उसने शिकायत ही नहीं की थी। फिर भी हम लगातार प्रायमरी कार्रवाई कर रहे हैं। जो प्रकरण हमारी जेल से संबंधित होते हैं, उसमें कार्रवाई की जाती है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

हाइड्रोक्लोरिक एसिड से भरा टैंकर पलटा, जहरीला धुआं फैला

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां एक हाइड्रोक्लोरिक एसिड से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। जिससे आसपास एसिड का गैस फैल रही है। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पेंड्रा पुलिस की टीम पहुच गई है। वहीं, टैंकर पलटने के बाद से टैंकर के चालक परिचालक मौके से फरार हो गए है। फिलहाल पेंड्रा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का है। जहां पर आज तड़के हाइड्रोक्लोरिक एसिड से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया है। जानकारी के अनुसार, यह टैंकर झारखंड के रहला से चलकर मध्यप्रदेश के इंदौर जाने को निकाला था और पेंड्रा के पास दुर्गा पुजा के पंडाल लगे होने के कारण सही रास्ता समझ नहीं आने के चलते टैंकर चालक टैंकर को पेंड्रा से नवागांव जाने वाले सड़क पर ले गया। टेंकर की रफ्तार तेज होने के चलते सड़क के मोड़ पर टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की जानकारी मिलते ही पेंड्रा पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई है।

शेर और तेंदुए से दहशत, वन विभाग ने कराई मुनादी

जगदलपुर। करपावंड इलाके में इन दिनों वन विभाग के द्वारा गांव में मुनादी कराया जा रही है। बताया जा रहा है कि गांव में शेर व तेंदुए की मौजूदगी है। वहीं, गांव के जंगल में आए दिन मवेशियों के शव के साथ ही पैरों के निशान भी देखे गए हैं। ग्रामीणों के साथ ही वन विभाग के आला अधिकारियों की टीम भी जंगल में नजर बनाए हुए हैं। बताया जा रहा है कि करपावंड जंगल में पिछले कुछ दिनों से चरने जाने वाले मवेशियों के शव पाए जा रहे हैं। वहीं, इस बात की जानकारी पता करने जब जंगल में कैमरा लगाया गया तो वहां एक शेर व तेंदुए की मौजूदगी दिखाई दी, जिसके बाद से ग्रामीणों में डर का माहौल देखा जा रहा है। वहीं, वन विभाग के द्वारा ग्रामीणों को जंगल जाने से भी मना कर दिया गया है। वन विभाग के द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए 12 से अधिक गांवों में रोजाना मुनादी करा रहे है, जिससे कि ग्रामीणों के साथ ही उनके परिवार के छोटे बच्चे भी बाहर ना घूम सकें। वहीं, विभाग का दावा है कि जंगल में शेर व तेंदुए के पैरों के निशान भी देखे गए हैं।

नेशनल हाईवे पर ट्रक में अचानक लगी आग

बेमेतरा। सिमगा नेशनल हाईवे स्थित ग्राम जेवरा में एक पेट्रोल पंप के पास गुरुवार दोपहर एक ट्रक में अचानक आग लग गई। आसपास से गुजरने वाले लोगों ने फायर ब्रिगेड व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड व पुलिस की टीम ने आग पर काबू पाया। ट्रक में लगी आग के कारण जाम लग गया। करीब एक घंटे बाद जाम खुला है। दरअसल, ट्रक के चक्के में आग लगने के कारण इसके फटने का अंदेशा था, जिससे और खतरा था। यही कारण है कि दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। जब ट्रक में लगी आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया, तब वाहनों का आना-जाना शुरू हो सका। पुलिस के अनुसार अब तक आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वाहन चालक से जानकारी ली जा रही है। राहत की बात है कि इस घटना में कोई भी हताहत नहीं है।

हाइवा ने बाइक सवार को चपेट में लिया

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत नकटीखार मुख्य मार्ग पर राखड़ से भारे हाइवा ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार बाल-बाल बच गया। वहीं, बाइक पहिए में फंस गई। देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और गुस्सा आए लोगों ने मुख्य सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम के बाद सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। लगभग तीन किलोमीटर तक सड़क के दोनों तरफ भारी वाहन जाम में फंस गए। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए चक्का जाम समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण काफी आक्रोशित थे और भारी वाहनों के आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया जहां देखते ही देखते वाहनों की जाम लग गई। बताया जा रहा कि 26 वर्षीय बाइक सवार वेद प्रकाश सोनी सेंदरीपाली नावाडीह करतला थाना निवासी हैं, जो मिनी कॉलेज में प्रोफसर हैं। गुरुवार की सुबह बाइक पर सवार होकर कोरबा से अपने गृहग्राम जा रहे थे।

काम कर रहे मजदूर के सिर पर गिरा स्टॉपर

दुर्ग। भिलाई स्टील प्लांट में हादसे में एक ठेका मजदूर की मौत हो गई। मजदूर के परिजनों को हादसे की सूचना दी गई है। मजदूर के शव को भिलाई सेक्टर-9 अस्पताल की मर्चुरी में रखा जाएगा। भिलाई भट्टी पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। घटना स्टील मेल्टिंग शॉप तीन की बताई जा रही है। यहां ठेका मजदूर बसंत कुमार कुर्रे हादसे का शिकार हो गए। एसएमएस-3 में क्रेन नंबर 31 ने क्रेन नंबर 29 को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सुरक्षा के लिए लगा स्टॉपर टूट गया। स्टॉपर टूटकर नीचे खड़े मजदूर बसंत के सिर के ऊपर गिर गया। सिर पर स्टॉपर गिरने से बसंत का घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल मजदूर को प्लांट के मेन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भिलाई भट्टी थाना प्रभारी राजेश साहू ने बताया कि एसएमएस-3 में मजदूर के ऊपर स्टॉपर गिरने से मौत हो गई। घटना की सूचना बीएसपी के अधिकारियों ने पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के भिजवाकर घटनास्थल को सील कर दिया है।

आग उगलने वाले रावण की पहली झलक, बिन बादल बारिश का भी दिखेगा नजारा

धमतरी। नगर निगम अब रावण के पुतले को खास तौर पर बनाने में ज्यादा दिलचस्पी रखता हैं। क्योकि 2 साल पहले रावण ने ही नगर निगम की पूरे देश भर में फजीहत करवाई थी। पिछली बार रावण का धड़ तो जल गया था लेकिन 10 सिर जलने से बच गया और घूरने लगा था। इस लापरवाही के बाद नगर निगम दोबारा इसे दोहराना नहीं चाहती है। इसलिए रावण दहन के लिए पुतला खास तौर पर बनाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि इस बार जिले से बाहर रावण का सिर बनकर आएगा। इस बार के दशहरे को भव्य तरीके से मनाने की तैयारी की जा रही है। 40 फिट के रावण के पुतले का दहन होगा। रावण दहन के लिए नाभि चक्र पर प्रहार होगा और रावण आग उगलेगा।

धमतरी के दशहरा मैदान में रावण दहन को लेकर तैयारियां तेज हो गई है।

रावण की पहली झलक सामने आई है। सिर के सभी हिस्से जिले से बाहर तैयार किए जा रहे हैं। तलवार और ढाल भी बाहर तैयार हो रहा है।वहीं धड़ और पैर का हिस्सा धमतरी सोरिद में तैयार हो रहा है। इस बार के दशहरा पर्व को भव्य तरीके से मनाया जाएगा। प्रभारी आयुक्त पी सी सार्वा ने मैदान में पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

पीसी सार्वा ने बताया कि बुराई पर अच्छाई का जीत विजयादशमी के पर्व को लेकर व्यापक स्तर पर निगम के अधिकारी-कर्मचारी तैयारी में जुटे हुए हैं। क्योंकि इस बार 40 फीट का रावण दहन किया जाना है। इसको लेकर भी दो दिन पूर्व से इसके बैक स्ट्रक्चर को बनाने का काम शुरु कर दिया गया है, रावण के कद के मुताबिक लोहे के बेस को ऊंचा किया जा रहा है। रावण का पुतला बनाने का काम जल्द पूरा हो जाएगा, प्रयास किया जा रहा है दिन शनिवार को दशहरे के दिन दोपहर तक रावण के पुतले को खड़ा कर दिया जाए।

प्रभारी आयुक्त पीसी सार्वा ने कहा रामलीला का मंचन इस बार कोलियारी गांव की रामलीला मंडली के कलाकार करेंगे। दशहरा मैदान में लोगों के भीड़ को देखते हुए महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग बैठक व्यवस्था की गई है। दशहरा पर्व को देखते हुए एहतियात के तौर पर पुख्ता इंतजाम रखे जाएंगे। पेयजल की व्यवस्था, अग्निशमन की व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था तथा चलित शौचालय की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा अस्थाई दुकानों को व्यवस्थित तरीके से लगाने के लिए मार्किंग भी कराई जाएगी।

दशहरा मैदान में रावण का पुतला शहर का सबसे बड़ा रावण होगा। अलग-अलग तरह के भव्य आतिशबाजी भी होंगे। आतिशबाजी को लेकर आसमान में भी अलग नजारा लोगों को देखने मिलेगा। रामलीला मंचन के दौरान बेहतरीन लाइटिंग की व्यवस्था भी रहेगी जो शहर के रावण दहन में पहली बार होगी।

दशहरा के दौरान 12 प्रकार की आतिशबाजी होगी। जिसमें पांच सितारा चक्कर, बिन बादल बरसात, नौरंग चक्कर सूरजमुखी, गुब्बारा साउंड, गोल्डन सेहरा, कैलाश मण्डल, नूरानी सेहरा, चंदन हार, नीली बरसात इसके आलावा आसमानी गोला, अनार शामिल रहेंगे।

10 किलोमीटर तक कंधे पर लादकर मरीज को ले गए परिजन

■ गांव में एंबुलेंस जाने का भी नहीं रास्ता

जगदलपुर। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर आये दिन नई-नई योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाती है, लेकिन जमीनी स्तर की बात करें तो आजादी के इतने वर्षों के बाद ग्रामीणों को आज तक लाइट के साथ ही सड़क के लिए भी तरसना पड़ रहा है। इन्हीं सब में अगर कोई ग्रामीण बीमार हो जाता है तो एंबुलेंस मिलना तक दूभर हो जाती है। ऐसे में परिवार के लोगों को कभी घाट, कभी झूला तो कभी अन्य माध्यमों से मरीजों को कई किमी का सफर तय करते हुए स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाया जाता है।

ऐसा ही एक मामला दरभा थाना क्षेत्र में देखने को मिला, जहां मरीज को किसी भी प्रकार से कोई भी

सुविधा नहीं मिलने के कारण उसे परिजनों के द्वारा बास में रस्सी बांधकर कंधे पर लादकर स्वास्थ्य केंद्र तक ले जाया गया। इस फोटो ने फिर से स्वास्थ्य सुविधाओं के जमीनी स्तर को दिखाया है। बताया जा रहा है कि बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाला एलंगनार का इलाका आश्रित ग्राम कनकापाल के मालापारा तक सड़क नहीं होने से 10 किलोमीटर का लंबा सफर मरीज को कंधे में ढोकर चलने की मजबूरी दिखाता है।

गांव के लोगों को बिजली और पानी तो मिल जाता है, लेकिन एंबुलेंस के लिए कई किमी तक पैदल चलना पड़ता है। बात करें अगर सुविधा की तो खोटापदर गांव तक पहुंचने के बाद ही एंबुलेंस की सुविधा मिलने की बात कही जाती है। बताया जा रहा है कि उल्टी-दस्त और बुखार से पीड़ित चैतू राम नाग को उसके परिजन कंधे पर लादकर ले गए। चैतू राम के साथ ही कनकापाल के ही पदरपारा में उल्टी- दस्त का एक और मरीज को भी इसी तरह से कंधे पर लादकर ले जाया गया।ग्रामीणों का कहना है कि दरभा से नजदीक पड़ने वाले तोंगपाल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीड़ितों को उपचार के लिए ले जाना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में पीडब्ल्यूडी विभाग में निकली बंपर भर्ती, वित्त विभाग ने दी मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए स्वीकृति दी जा रही है। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की विशेष पहल से अब शासकीय सेवा के छह हजार से अधिक पदों में नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लोक निर्माण विभाग में सब इंजीनियरों के 102 पदों पर भर्ती को वित्त विभाग ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसमें 86 सिविल और 16 विद्युत-यांत्रिकी के उप अभियंता के पद शामिल हैं। इससे पहले लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में 128 अभियंताओं के पद निकाले गए थे। छत्तीसगढ़ में युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर लगातार खुल रहे हैं। अब तक 8 से अधिक विभागों में विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। स्वास्थ्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि विभाग, ग्रामीण आजीविका मिशन, गृह विभाग, विधि विभाग, आदिम जाति कल्याण, वन एवं पर्यावरण विभाग में भर्ती प्रक्रिया चल रही है। निर्माण एजेंसियों में तेजी से चल रही भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश में बड़े पैमाने पर चल रही अधोसंरचना परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

चार टीचर और दो भृत्यों पर गिरी गाज, सेवा से किए गए बर्खास्त

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में अनाधिकृत रूप से लंबे समय से अनुपस्थित चार शिक्षकों एवं दो भृत्य पर सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें विकासखंड बलौदाबाजार के शासकीय प्राथमिक शाला पिपराही में पदस्थ सहायक शिक्षिका ललिता रूपदास, शासकीय प्राथमिक शाला पौसरी की सहायक शिक्षिका ज्योत्सना सागरकर, शासकीय प्राथमकि शाला खैरघटा की सहायक शिक्षिका गीतांजली वर्मा, विकासखंड सिमगा के शास. प्राथ.शाला करहुल सहायक शिक्षक एल. बी गुपेन्द्र कुमार यादव एवं शास.पूर्व माध्य.शाला डोटोपार भृत्यपवन कुमार ध्रुव, विकासखण्ड भाटापारा के शास. उच्च माध्य.विद्यालय करहीबाजार भृत्य मदन लाल टंडन शामिल है। उपरोक्त कर्मचारीगण अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित शासकीय सेवकों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करते हुए कार्य से पृथक कर दिया गया है। इनके द्वारा मूलभूत नियम 18 एवं छ.ग. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3(1) (एक) (दो) (तीन) तथा अवकाश नियम 7 निहित नियमों के विपरीत पाया गया, जो कदाचरण की श्रेणी में आता है।

ज्योति इलेक्ट्रॉनिक्स पर जीएसटी टीम ने की छापेमारी, देर रात तक चली कार्रवाई

कोरबा। कटघोरा स्थित मुख्य मार्ग पर संचालित ज्योति इलेक्ट्रॉनिक्स में जीएसटी की टीम ने छापा मारा। देर रात तक कार्रवाई चलती रही। बताया जा रहा है कि चार वाहन में जीएसटी की टीम ज्योति इलेक्ट्रॉनिक्स पहुंची और कार्रवाई शुरू की। इस दौरान दुकान संचालक पवन अग्रवाल से पूछताछ शुरू करते हुए दस्तावेजों की जांच शुरू की गई। टीम ने अलग-अलग तरीकों से संचालक से पूछताछ करते हुए कार्रवाई देर रात तक जारी रखी। बताया जा रहा है कि कुछ माह पहले ही जीएसटी की टीम ने ज्योति इलेक्ट्रॉनिक्स में छापा मारा था। इसके बाद दूसरी बार फिर से टीम छापामार कार्रवाई की। इस कार्रवाई के बाद व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है। बताया यह भी जा रहा है कि दुकान संचालक पिता-पुत्र ठेकेदारी का काम भी करते हैं। अलग-अलग विभागों में काम करने की बात सामने आ रही है। ज्योति इलेक्ट्रॉनिक्स में दूसरी बार छापामार कार्रवाई के बाद व्यापारियों में हड़कंप तो मचा हुआ है। वहीं, त्योहारी सीजन होने के चलते निश्चित ही व्यापार पर असर पड़ेगा।

देवरी के समीप ट्रेलर चालक ने 9 गायों को रौंदा, 8 की मौत

रायपुर। रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाइवे के देवरी के समीप ट्रेलर चालक ने 9 गयों को बुरी तरह से रौंद दिया जिससे मौके पर ही आठ गायों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने ट्रेलर चालक को गिरफ़्तार कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जाता हैं कि बिहार निवासी विकास सिंह बिलासपुर से रायपुर की ओर तेज गति से ट्रेलर को चलाते हुए आ रहा था कि जैसे ही वह देवरी गांव के समीप पहुंचा उसने एक साथ 9 गयों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे आठ गायों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक गाय का उपचार पशु चिकित्सालय में किया जा रहा है। ट्रेलर चालक और गायों को रौंद पाता कि इससे पहले ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर वहीं धुनाई करने के बाद धरसींवा पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही धरसींवा थाना प्रभारी राजेंद्र दीवान दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया।

विचाराधीन बंदी न्यायालय से फरार

रायपुर। गुरुवार को सुबह नियमित पेशी में लाया गया विचाराधीन बंदी जेल पुलिस को चकमा देकर न्यायालय से फरार हो गया। बताया जाता हैं कि फरार बंदी कोलकाता का निवासी है जिसे पुलिस ने बलात्कार के मामले में गिरफ्तार किया था। बंदी के फरार होने की सूवना मिलते ही रायपुर पुलिस ने बाहर जाने वाली सीमा पर चौकसी बढ़ा दी और उसकी तलाश शुरु कर दी है। उक्त बंदी को लेकर आने वाले जेल पुलिस के सिपाही भी उसकी तलाशी में लगे हुए है।

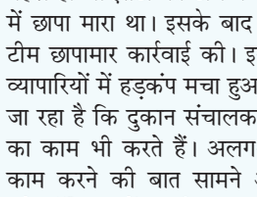

त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन हेतु आरक्षण एवं परिसीमन समय पर करें : सिंह

स्थानीय निकायों के आम निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनावों की तैयारियों के संबंध में नवा रायपुर स्थित आयोग के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग के संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में आगामी त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिये गये।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन हेतु परिसीमन और आरक्षण की

कार्यवाही समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिसीमन और आरक्षण की प्रक्रियाएं समय पर निर्वाचन संपन्न कराने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है। बैठक में त्रिस्तरीय पंचायतों के परिसीमन के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमति निहारिका बारिक द्वारा परिसीमन एवं आरक्षण के संबंध में शासन स्तर पर कार्यवाही के संबंध में अवगत कराया गया कि परिसीमन और आरक्षण की कार्यवाही समय सीमा में संपन्न करा ली जावेगी।

बैठक में त्रिस्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन 2024-25 तथा भविष्य में होने वाले उप निर्वाचन के लिए अधिग्रहित किए जाने वाले वाहनों हेतु किराये का दर के निर्धारण, निर्वाचन में नियुक्त प्रेक्षकों के मानदेय, आगामी आम एवं उप निर्वाचन 2024-25 के लिए निर्वाचन संचालन हेतु नियोजित शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिये जाने वाले मानदेय दरे तथा वाहन किराये पर लेने हेतु भेजे गये प्रस्तावों जैसे अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में चुनाव से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई, जिसमें राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। साथ ही कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि हर पात्र मतदाता अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग कर सके। इस अवसर पर उप सचिव डॉ. नेहा कपूर एवं श्री आलोक श्रीवास्तव तथा सामान्य प्रशासन विभाग की अवर सचिव श्रीमति अंशिका पाण्डे सहित संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री के निर्देशानुसार 421 अभियंताओं को मिला वर्षों बाद समयमान वेतनमान

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने आज 421 अभियंताओं को उनके दीर्घकालीन सेवा योगदान का सम्मान करते हुए समयमान वेतन का लाभ प्रदान करने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के अंतर्गत 25 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले 32 अभियंता, 10 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले 388 अभियंता, और 08 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले 01 अभियंता शामिल हैं। इन अभियंताओं में उप अभियंता, सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि यह प्रकरण पिछले 4-5 वर्षों से लंबित था और उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशों के परिणामस्वरूप अब जाकर इन अभियंताओं को समयमान वेतन का लाभ मिल रहा है। ज्ञात हो कि अभियंताओं द्वारा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा से मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया था उपमुख्यमंत्री ने अभियंताओं को आस्वाशन दिया था कि उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के निर्देशानुसार अभियंताओं को समयमान वेतन का लाभ दिया है जो पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में वर्षों से सेवा करते आ रहे हैं और प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की कमान संभालेंगे प्रदेश के 21 आईएएस

रायपुर। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के बाद अब महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी है। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग अगले सप्ताह दोनों राज्यों के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा हो सकता है। ऐसे में चुनाव को बेहतर तरीके से संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ के 21 आईएएस अफसरों को बुलावा भेजा है, इनमें 6 महिला आईएएस भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने चुनाव ड्यूटी के लिए चयनित छत्तीसगढ़ के 21 आईएएस अफसरों की सूची राज्य सरकार को भेज दी है, जिन्हें 16 अक्टूबर को विज्ञान भवन में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। विज्ञान भवन में अफसरों की ट्रेनिंग होगी। इसी तारीख के आसपास आयोग की तरफ से दोनों राज्यों में चुनाव की घोषणा भी हो सकती है।

जिन 21 अफसरों का नाम चुनाव ड्यूटी के लिए तय किया गया है, उन्हें इस बात की खबर नहीं है कि उन्हें महाराष्ट्र में मोर्चा संभालना होगा या फिर झारखंड में। बताया जा रहा है कि 16 अक्टूबर की ट्रेनिंग के दौरान ही इन अफसरों को बताया जाएगा कि कौन सा अफसर किस राज्य में जाएगा।

इन अफसरों को आया है बुलावा

चुनाव आयोग की तरफ से जिन 21 अफसरों

को बुलावा भेजा गया है, उनमें आर। प्रसन्ना, भुवनेश यादव, सीआर प्रसन्ना, जनक प्रकाश पाठक, शम्मी आबिदी, शिखा राजपूत तिवारी, केडी कुंजाम, किरण कौशल, पीएस एल्मा, सारांश मित्तर, जितेंद्र कुमार शुक्ला, अभिजीत सिंह, दिव्या उमेश मिश्रा, इफ्फत आरा, पुष्पा साहू, रितेश कुमार अग्रवाल, तारण प्रकाश सिन्हा, जगदीश सोनकर, राजेंद्र कुमार, कुलदीप शर्मा और कुन्दन कुमार शामिल हैं।

दो आईपीएस को भी मिला बुलावा

चुनाव आयोग ने केवल आईएएस ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के दो आईपीएस की भी झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव ड्यूटी लगाई है। इन आईपीएस अफसरों में प्रशांत कुमार ठाकुर और भोजराम पटेल शामिल हैं।

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने राज्यपाल को लिखा पत्र

प्रदेश में 1000 करोड़ से अधिक मूल्य के धान की क्षति का लगाया आरोप

- जिम्मेदारों पर की कार्रवाई की मांग

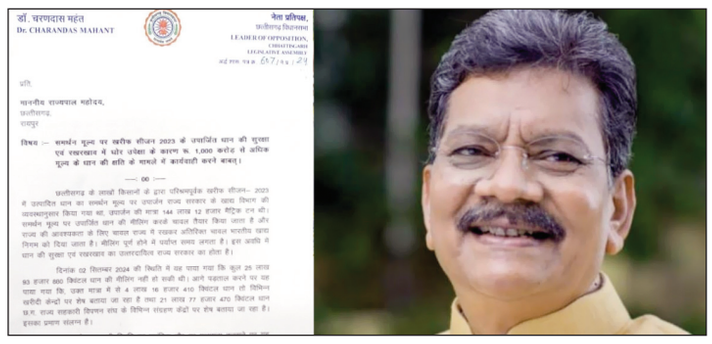

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने राज्यपाल के नाम पत्र लिखा है, जिसमें छत्तीसगढ़ धान के सुरक्षा और रखरखाव में घोर उपेक्षा के कारण 25 लाख 93 हजार 880 क्विंटल धान खराब होने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस प्रकरण की जांच कराने के साथ जिम्मेदारी निर्धारित करने के लिए अपने स्तर से समुचित कार्रवाई करने की मांग की है।

डॉ. चरणदास महंत ने पत्र में लिखा है कि खरीफ सीजन- 2023 में धान उपार्जन की मात्रा 144 लाख 12 हजार मीट्रिक टन थी। समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान की मीलिंग करके चावल तैयार किया जाता है। मीलिंग पूर्ण होने में पर्याप्त समय लगता है। इस अवधि में धान की सुरक्षा एवं रखरखाव का उत्तरदायित्व राज्य सरकार का होता है। 2 सितम्बर की स्थिति में यह पाया गया कि कुल 25 लाख 93 हजार 880 क्विंटल धान की मीलिंग नहीं हो पाया था।

पड़ताल में पाया गया कि इसमें से 4 लाख 16 हजार 410 क्विंटल धान खरीदी केन्द्रों में और 21 लाख 77 हजार 470 क्विंटल धान राज्य सहकारी विपणन संघ के विभिन्न संग्रहण केंद्रों पर शेष बताया जा रहा है। मुआयना करवाने पर पाया गया कि खरीदी केन्द्रों पर जो धान रिकार्ड में शेष दिख रहा है, वहां धान है ही नहीं। इसी प्रकार संग्रहण केन्द्रों में खुले आसमान के नीचे कैप कव्हर के अंदर भंडारित शेष धान बहुत खराब स्थिति में है।

इस तरह से 25 लाख 93 हजार 880 क्विंटल धान 4000 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 1037 करोड़ 55 लाख रुपए का धान खराब हो चुका है। यह एक बड़ी क्षति सुरक्षा और रखरखाव में घोर उपेक्षा के कारण हुई है। इन तथ्यों के साथ डॉ। महंत ने राज्यपाल से पूरे प्रकरण की जांच कराने के साथ उत्तरदायित्व निर्धारित कर अपने स्तर पर समुचित कार्रवाई का आग्रह किया है।

नेशनल गोल्फ आयोजन से छत्तीसगढ़ के पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा: मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने आज नवा रायपुर के मेफेयर स्थित गोल्फ कोर्ट में गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा आयोजित नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप प्री-लांच का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ की टीम का भी चयन किया जाएगा। इससे अन्य खेलों के साथ गोल्फ खेल के लिए लोगों में रूचि बढ़ेगी। नेशनल गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नवा रायपुर में 24 से 26 अक्टूबर के बीच नेशनल गोल्फ चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किया रहा है। इस आयोजन में देश के 20 राज्यों की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में 6 खिलाड़ी होंगे। आयोजन में छत्तीसगढ़ सरकार की भी सहभागिता होगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि एक स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ शरीर का होना आवश्यक है। इसके लिए सभी को किसी न किसी खेल में हिस्सा लेना जरूरी है। नवा रायपुर पर्यटन के रूप में भी विकसित हो रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के पर्यटन को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही यहां की हरियाली को भी

प्रमोट किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने बादाम के पौधे का वृक्षारोपण भी किया। नेशनल गोल्फ फेडरेशन के संस्थापक एवं महासचिव आर्यवीर आर्या ने इस आयोजन के संबंध में कहा कि गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया खेल, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और विजन भारत 2047 के लिए काम करने प्रतिबद्ध है। स्टार्टअप और राज्य पर्यटन विभाग छत्तीसगढ़ राज्य को बढ़ावा देने के लिए स्थल पर अपने स्टॉल लगा सकते हैं। नवा रायपुर में चैंपियनशिप का आयोजन होने से नवा रायपुर के गोल्फकोर्स को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करने का प्लेटफार्म तैयार होगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ को लेकर बना परसेप्शन भी बदलेगा। चैंपियनशिप के लिए पहला पुरस्कार 10 लाख रुपए और वाउचर एवं ट्रॉफी तथा रनरअप पुरस्कार 6 लाख रुपए और वाउचर एवं ट्रॉफी दिया जाएगा।

ईडी ने 9 व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ दर्ज की शिकायत

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय (ईडी-आरपीजेडओ) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 5 अक्टूबर 2024 को 9 व्यक्तियों और संस्थाओं को आरोपी बनाते हुए शिकायतें दर्ज की है। आरोपियों में अनिल टुटेजा, अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, मेसर्स पेट्रोसन बायो रिफाइनरीज प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स ढिल्लों सिटी मॉल प्राइवेट लिमिटेड, अमित सिंह, मेसर्स आदिप एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड, अनवर ढेबर और अरुणपति शामिल हैं।

ईडी-आरपीजेडओ ने अपनी जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के

तहत एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद शुरू की। जांच में 2019 से 2022 के बीच हुए बड़े पैमाने पर शराब घोटाले का पता चला, जिसके दौरान अभियुक्तों ने प्रणालीगत भ्रष्टाचार के माध्यम से अपराध से आय (पीओसी) अर्जित करना पाया गया। ईडी-आरपीजेडओ की जांच से पता चला है कि इस घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ, जबकि सिंडिकेट के लाभार्थियों को 2,100 करोड़ रुपये से अधिक की आपराधिक आय हुई।

एजेंसी ने पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, अरविंद सिंह, त्रिलोक सिंह ढिल्लों, अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी सहित प्रमुख व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है इसके अलावा, 18 चल और 161 अचल संपत्तियों सहित लगभग 205.49 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है।

छत्तीसगढ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3, माचाडोली जिला-कोरबा (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 159429 निविदा सूचना क्र. 13/व.ले.लि./ ई-प्रोक्युरमेंट / 2024-25, दि. 08-10-2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 25-10-2024 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम- मिनीमाता बांगो बांध के कार्यालय एवं आवासीय परिसर में शुद्ध पेयजल हेतु जल उपचार संयंत्र स्थापना तथा जल प्रदाय सिस्टम के नवीनीकरण कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 238.84 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 15-10-2024 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3,
माचाडोली, जिला-कोरबा (छ.ग.)

जी-242503081/7

Public Works Department
Sector-19, North Block, Naya Raipur (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

E-mail: tenders-pwd.cg@gov.in

NIT No.124/TC/EinC/PWD/2024-25 Dated- 01.10.2024

The Engineer-in-Chief, Public Works Department on behalf of Governor of Chhattisgarh invites percentage rate bids on electronic tendering system under RCPLWE RRP-III in the district of Kanker & Narayanpur for construction of 02 Bridges with estimated cost amounting Rs 654.06 Lacs including their maintenance for five years from the contractors registered with unified registration system (e-registration) in Chhattisgarh. Non registered bidders may submit bid; however the successful bidder must get registered in appropriate class under "Unified Registration System (e-Registration) of Chhattisgarh before signing the agreement.

The bid document shall be available to bidders online free of cost and should be submitted online e-procurement system of government of Chhattisgarh in https://eproc.cgstate.gov.in. Bids form will be available on the website from 01.10.2024 and may be submitted up to 17:00 Hrs. on 14.10.2024

For participating in bidding process, bidders are required to register in the above web-site with nominal fee of Rs 500/- to be paid onine to service provider. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from authorized certifying authorities.

The bidders are required to submit (a) original bid security in approved form and (b) original affidavit duly verified and notarized as per clause 4.4 B (a) (ii) and 4.4 B (c) to Chief Engineer, Tender Cell, First Floor, NirmanBhawan, PWD, North Block, Sector-19, Naya Raipur Atal Nagar (C.G.) 492-002 as per provisions of bid document through Speed/ Registered post, failing which the bids shall be declared non-responsive.

Detailed schedule of important dates may be seen on notice board of offices and also available on website of Public Works Departmenthttp://pwd.cg.nic.in

Chief Engineer
(Central Tender Cell)
Office of Engineer-In-Chief
P.W.D. Nava Raipur Atal Nagar (C.G.)

जी-242503079/10

स्वर्गीय टाटा को बेहतर भारत बनाने की गहरी चिंता थी: देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने भारत के ख्यातिलब्ध उद्योगपति पद्मविभूषण रतन टाटा के दुखद निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में श्री देव ने कहा कि यह भारत और भारतीय उद्योग जगत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का निधन न केवल टाटा समूह के लिए. बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए अपूरणीय क्षति है। वे एक असाधारण व्यवसाय और परोपकारी विरासत छोड़ गए हैं। भारत में आधुनिक व्यावसायिक नेतृत्व को मार्गदर्शन और विकसित करने में स्व. टाटा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें भारत को बेहतर बनाने की गहरी चिंता थी। श्री देव ने टाटा-परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए स्व. टाटा की आत्मा को चिरशांति व अपने चरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना परमपिता परमेश्वर से की।

मुख्यमंत्री साय ने रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुप्रसिद्ध उद्योगपति, पद्म भूषण व पद्म विभूषण से सम्मानित

श्री रतन टाटा जी के निधन को अत्यंत दुःखद बताते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है।

साय ने कहा कि श्री रतन टाटा ने भारतीय उद्योग जगत को सर्वोच्च स्थान पर स्थापित किया। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में उनके योगदान को भारतवासी सदैव याद रखेंगे। उनका सादगी पूर्ण जीवन, नैतिक नेतृत्व और परोपकार की भावना एक मिसाल थी। वह सदैव हमारी यादों में जीवित रहेंगे।

उनका निधन भारत और उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। देश और समाज में बेहतर बदलाव के लिए उनके द्वारा किए गए अभूतपूर्व कार्य हम सबके लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों, उनके शुभचिंतकों को संबल प्रदान करने की विनम्र प्रार्थना करता हूं।

उप मुख्यमंत्री साव ने प्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने आज यहां जारी अपने शोक संदेश में कहा है कि भारत ने रतन टाटा जी के रूप में एक महान सपूत खो दिया। उनके निधन का दुखद समाचार मन को झकझोर देने वाला है। देश ने अपना एक अनमोल रत्न खो दिया है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने श्री रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारत की औद्योगिक प्रगति और सामाजिक विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। अपने परोपकारी और नवाचारी नजरिए से उन्होंने उद्योग जगत में खास मुकाम हासिल किया था। उन्होंने टाटा ट्रस्ट के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण विकास के अपने कार्यों से औद्योगिक क्षेत्र से इतर समाज के सभी वर्गों के बीच प्रतिष्ठा अर्जित की थी।

जीत को हार में कैसे बदलें, यह कांग्रेस से सीखा जा सकता है

संजय राऊत

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे भाजपा-कांग्रेस के लिए चौंकाने वाले हैं। हरियाणा में कांग्रेस की हार की वजह फाजिल आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी को माना जा रहा है। कोई भी मजबूती से नहीं कह रहा था कि हरियाणा में दोबारा भाजपा की सरकार आएगी। कुल मिलाकर माहौल यह था कि कांग्रेस की जीत एकतरफा होगी लेकिन जीत की पारी को हार में कैसे बदला जाए यह कांग्रेस से ही सीखा जा सकता है। हरियाणा में भाजपा विरोधी माहौल था। ऐसा माहौल था कि भाजपा के मंत्रियों और उम्मीदवारों को हरियाणा के गांवों में घुसने नहीं दिया जा रहा था। फिर भी हरियाणा के नतीजे कांग्रेस के खिलाफ गए, वहीं जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नैशनल कांफ्रेंस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया और भाजपा का सपना चकनाचूर कर दिया। ढोल बजाया जा रहा था कि कश्मीर की जनता मोदी-शाह को ही वोट देगी। 5 साल पहले अमित शाह ने घोषणा की थी कि मानो अनुच्छेद 370 हटाकर एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। मोदी-शाह कश्मीर से धारा 370 हटाकर अखंड भारत के सपने को साकार करने का दम भर रहे थे, लेकिन कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं कर सके। युवाओं को रोजगार देने में मोदी-शाह पिछड़ गए। मुख्य रूप से मोदी-शाह हजारों कश्मीरी पंडितों को वापस लाने में विफल रहे। धारा 370 हटाना एक तमाशा साबित हुआ और अब वहां की जनता ने भाजपा को हरा दिया। इस तरह हरियाणा में कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर में भाजपा को झटका लगा। प्रधानमंत्री मोदी को कश्मीर के लोगों ने खारिज कर दिया और हरियाणा में स्थिति अनुकूल होने के बावजूद कांग्रेस फायदा नहीं उठा सकी। कांग्रेस के साथ ऐसा हमेशा होता है। पिछली दफा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में एक तरह का माहौल था कि भाजपा सत्ता में नहीं आएगी लेकिन कांग्रेस पार्टी की आंतरिक अव्यवस्था भाजपा के लिए मुफीद साबित हुई। सवाल खड़ा हो गया है कि क्या पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की नैया डुबो दी है। हुड्डा की भूमिका इस तरह थी कि जैसे कांग्रेस के सूत्रधार वही हैं और जिसे वह चाहे वही होगा। कुमारी शैलजा जैसी पार्टी नेता को हुड्डा और उनके लोगों द्वारा सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया और दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान हुड्डा को रोकने में विफल रहा। हरियाणा के किसानों ने दिल्ली बॉर्डर पर जबरदस्त आंदोलन किया। हरियाणा की महिला पहलवानों से छेड़छाड़ पर भाजपा ने और उसके प्रधानमंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की। विनेश फोगाट और उनके साथियों को दिल्ली के जंतर-मंतर रोड से घसीटते हुए पुलिस वैन में ठूंसा गया। इन सबका गुस्सा हरियाणा के लोगों में साफ दिख रहा था। बेशक, भले ही विनेश फोगाट खुद जीत गई लेकिन उनके साथ हुए अन्याय के कारण पूरे हरियाणा में पैदा हुए गुस्से और नाराजगी से कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ। हरियाणा में भाजपा विरोधी लहर थी और कहा जा रहा था कि भाजपा उस लहर में बह जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ क्योंकि कांग्रेस का संगठन अव्यवस्थित एवं कमजोर था। राजनीति और चुनाव में संगठन को जमीन पर होना जरूरी है। भाजपा का संगठन मजबूत था और 'स्ट्रेटेजी' अचूक साबित हुई। मध्य प्रदेश में कमलनाथ ने सीधे तौर पर भाजपा की मदद की। हरियाणा में भी केंद्रीय जांच एजेंसी हुड्डा के पीछे थी, फिर भी हुड्डा कांग्रेस के साथ बने रहे। वह हरियाणा में जाट समुदाय के बड़े नेता हैं, लेकिन वह अन्य समुदायों को कांग्रेस के साथ नहीं ला सके। यह जाटों और अन्य समुदायों के बीच मुकाबला था और भाजपा जीत गई, फिर रेप के आरोप में जेल में बंद और कुछ दिन पहले पैरोल पर रिहा हुए बाबा राम रहीम का भी हरियाणा में भाजपा की जीत में 'हिस्सा' है ही। चुनाव से कुछ दिन पहले यह बाबा 'पैरोल' पर कैसे बाहर आ जाता है? बाबा राम रहीम का ये चुनावी कनैक्शन पिछले चुनावों में भी देखने को मिला था। नतीजे से एक दिन पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सैनी ने कहा था कि भाजपा ही जीतेगी। हमने जीत के लिए सारे इंतजाम कर लिए हैं। सैनी का यह बयान रहस्यमय है।

हरियाणा की हार का झटका विपक्ष को ज्यादा तकलीफ देगा

योगेन्द्र यादव

लोकसभा चुनाव में आशातीत सफलता के बाद पहले चुनावी दंगल में कांग्रेस को झटका लगा है। यूं कहिए कि 2029 में देश में सत्ता परिवर्तन के अभियान की बोहनी खराब हुई है। हरियाणा के अप्रत्याशित परिणाम के बाद विपक्षी कांग्रेस ने चुनाव परिणाम की वैधता पर सवाल खड़े किए हैं। उसका जवाब देने की बजाय चुनाव आयोग ने बस इन आरोपों को खारिज कर दिया है। इस तर्क-वितर्क और प्रमाणों की जांच किए बिना यह कहना कठिन है कि इस परिणाम पर कितना भरोसा किया जाए। लेकिन अगर इसे जनमत का प्रतिबिंब मान लें तो इस जनादेश को यूं भी देख सकते हैं कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाने के बाद अब जनता ने विपक्ष को भी चेतावनी दे दी है।

जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम को देखकर 'इंडिया' गठबंधन उत्साहित हो सकता है। बेशक उसे तमाम अनुमानों से बेहतर सीटें और स्पष्ट बहुमत मिला है। यह संतोष की बात है कि नैशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस को इतना बहुमत है कि अगर राज्यपाल 5 मनोनयन की सीटों पर भाजपा के पसंदीदा लोगों को बैठा भी दे, तब भी उसे फर्क नहीं पड़ेगा। इस परिणाम से यह भी जाहिर होता है कि कश्मीर घाटी में कायापलट के भाजपा के दावे कितने खोखले हैं। सच यह है कि इतने हवाई दावों के बावजूद भाजपा को अनेक सीटों पर उम्मीदवार ही नहीं मिले। जहां उम्मीदवार मिले तो उन्हें वोट नहीं मिले। और जिस-जिस पार्टी पर भाजपा की बी टीम होने का दाग था, जनता ने उन्हें भी खारिज कर दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि कश्मीर घाटी की जनता धारा 370 हटाए जाने से क्षुब्ध है। जम्मू-कश्मीर की जनता राज्य का दर्जा चाहती है।

केंद्र सरकार को यह संदेश देने के साथ-साथ जम्मू की जनता ने कांग्रेस की कमजोरी को भी अस्वीकार कर दिया और एक बार फिर क्षेत्र में भाजपा को अच्छी सफलता मिली है। लेकिन केवल जम्मू के दम पर और कुछ छुपे सहयोगियों के सहारे प्रदेश में राज करने के उसके मंसूबे सफल नहीं हो सके। लेकिन जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सफलता हरियाणा में हुई कांग्रेस की अप्रत्याशित हार को ढक नहीं सकती। जम्मू-कश्मीर की राजनीति अनोखी है और उसके आधार पर बाकी देश के बारे में निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। यू भी वहां के चुनाव एक विशेष परिस्थिति में हुए थे। राज्य की संवैधानिक स्थिति बदल चुकी थी। चुनावी क्षेत्रों का नया परिसीमन हुआ था और पार्टियां भी बदल गई थीं। इसलिए इसे राज्य की विशिष्ट परिस्थिति का परिणाम ही माना जाएगा।

हरियाणा की हार का झटका विपक्ष को ज्यादा तकलीफ देगा। यह परिणाम बहुत अप्रत्याशित था। इन पंक्तियों के लेखक ने इन्हीं पन्नों पर कहा था कि कांग्रेस आराम से यह चुनाव जीतने वाली है। यही राय सभी विश्लेषकों और एग्जिट पोल की भी थी। इसीलिए यहां की चुनावी हार राजनीतिक रूप से ज्यादा चुभेगी। तकनीकी रूप से देखें तो हार बड़ी है नहीं। वोटों की दृष्टि से कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है। सीटों में बड़ा फासला है, लेकिन वोट बराबर हैं। पिछले चुनाव की तुलना में कांग्रेस के वोट भी बढ़ रहे हैं और सीटें भी। लेकिन अंततः यह सब सांत्वना देने वाली आंकड़ेबाजी मानी जाएगी। लोगों को यही याद रहेगा कि एक चुनाव जो कांग्रेस जीत सकती थी, वह हार गई। राजनीति उगते सूरज को सलाम करती है। इस परिणाम का सीधा असर महाराष्ट्र और झारखंड के वोटरों पर तो नहीं पड़ेगा लेकिन इंडिया गठबंधन के कार्यकर्त्ताओं के मनोबल पर इसका असर जरूर पड़ेगा। देश के राजनीतिक मूड को बदलने के लिए इसका इस्तेमाल होगा।

आने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा का उत्साह बढ़ेगा। जब तक महाराष्ट्र और झारखंड के नतीजे नहीं आ जाते, तब तक इसकी परछाईं देश के राजनीतिक मूड पर रहेगी। इन परिणामों का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव के बाद से ही बुझे-बुझे प्रधानमंत्री की छवि को सुधारने के लिए भी किया जाएगा। सच यह है कि प्रधानमंत्री का इस परिणाम में कुछ ख़ास योगदान नहीं है। सच यह है कि खुद भाजपा ने प्रधानमंत्री को भी इस चुनावी पराजय की संभावना से बचाए रखा था, कि प्रदेश में उनकी सिर्फ चार रैलियां हुई थीं और होर्डिंग्स से भी प्रधानमंत्री की बड़ी तस्वीर और उनकी गारंटी गायब थी। लेकिन भाजपा का प्रचार तंत्र अब इसे प्रधानमंत्री की लोकप्रियता के सबूत के रूप में पेश करेगा। इसी तरह से ही इस परिणाम को राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता में ब्रेक की तरह पेश किया जाएगा। यह बात भी तथ्य से परे है। सच यह है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के कारण ही कांग्रेस प्रदेश में भाजपा विरोधी मतों की धुरी बन सकी। राहुल गांधी की इस चुनाव में सीमित भूमिका थी और उससे कांग्रेस को फायदा ही हुआ है। अगर राहुल गांधी 36 बिरादरी की सरकार के अपने वादे को ज्यादा जोर से चला पाते तो कांग्रेस की स्थिति बेहतर होती।

खराब शुरुआत का मतलब यह नहीं कि इंडिया गठबंधन आने वाले चुनावों में सफल नहीं होगा। चुनाव की वैधता पर उठे सवालों के अलावा विपक्ष को आत्ममंथन भी करना होगा। एक मायने में इस परिणाम से लोकमत का इम्तिहान महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव परिणाम तक खिसक गया है। लेकिन इस सवाल पर कोई भी राय बनाने से पहले जरूरी है कि हरियाणा चुनाव के परिणाम पर उठ रहे सवालों का संतोषजनक समाधान हो, अन्यथा यह भारतीय लोकतंत्र ले लिए अशुभ संकेत होगा।

एकात्मता के स्वर — नर्मदा नदी

माँ नर्मदा भारतवर्ष की श्रेष्ठ नदियों में से एक है। इनकी उत्पत्ति के संदर्भ में कहा है नर्मदा सरितां श्रेष्ठा रुद्रवेक्षण विनि:सृता। कूर्मपुराण-38/5 भगवान् रूद्र की देह से उनका जन्म हुआ। पूर्वकाल में चंद्रवंशोत्पन्न चक्रयती सम्राट पुरूरवा ने पापनाशिनी माँ नर्मदा को पृथ्वी पर लाने के लिए भूताधिपति भगवान् शिव की बडी भारी तपस्या की। प्रसन्न होकर आशुतोष ने नर्मदा का स्मरण किया तब वह मगर के आसन पर आरूढ़ हो आ पहुँची। शिव ने कहा सुरेश्वरि। तुम पृथ्वी पर उतरकर पुरूरवा की तपस्या से मृत्युलोक का हित साधन करो। नर्मदा को पृथ्वी पर धारण करने के लिये शिव ने प्रमुख आठ पर्वतों को बुलाया। विन्ध्यगिरि ने कहा कि मेरे आठ पुत्रों में बड़ा पर्यक नर्मदा को बारण करने में समर्थ है। तदर्थ शिवादेश से नर्मदाजी पर्यक पर्वत के माध्यम से पृथ्वी पर आयीं। मेकलसुता पृथ्वी पर गिरकर पश्चिम दिशा की ओर वायु वेग के समान बह चली। जहाँ पर वह प्रकट हुई कलिंगदेशपश्चार्थे पर्वते ऽमरकण्टके। कर्मपुराण 38/6 वह स्थान कलिंग देश के पश्चार्थ में अमरकण्टक पर्वत है जो आज मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित है। अमरकण्टक से चलकर पश्चिम समुद्र में मिलने वाली माँ नर्मदा सी योजन से अधिक लम्बी व दो योजन चौडे विस्तार में फैली हुई है। जिसके किनारे पर करोडों तीर्थ हैं। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में श्रेष्ठ ऊँकार पर्वत पर ममलेश्वर स्थित है। यहीं पर गुफा में समाधिस्थ गोविंद गौड़पाद का दर्शन करने आठवीं शताब्दि में आद्यशंकर कालडी (केरल) से चलकर आठ वर्ष की आयु में आये थे और पूरे दो वर्ष गुरू के पास रहकर भिन्न-भिन्न विद्याएँ सीखीं थीं। नर्मदा के बारे में कर्मपुराण में कहा है पुण्या कनखले गंगा, कुरुक्षेत्रे सरस्वती। ग्रामे वा यदिवारण्ये पुण्या सर्वत्र नर्मदा ।। 38/7 कि गंगा कनखल में तथा सरस्वती कुरूक्षेत्र में पवित्र कही गयी हैं, किंतु ग्राम अथवा अरण्य में सर्वत्र ही नर्मदा को पवित्र कहा गया है। आगे कहा है त्रिमि: सरस्वतं तोयं सप्ताहेन तु यामुनम्। सद्य: पुनाति गांगेयं दर्शनादेव नार्मदम्।। कर्मपुराण 38/8 कि सरस्वती का जल तीन दिन में, यमुना का जल सात दिन में तथा गंगा जल तत्काल स्नान-पान से पवित्र करता है, किंतु नर्मदा का जल तो दर्शनमात्र से ही पवित्र कर देता है।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

यह नक्षत्र तारे सितारे और सैयारे गर्ज है कि जहं लगि गुनिय सुनिय मन माँही के अनुसार सभी पंचभूतात्मक पदार्थ अपनी नाम-रूपात्मक उपाधि को छोड़ कर निर्विशेषरूप से शेष में समाये हुये थे। उस समय यदि कुछ था तो वह कुछ ही था, अर्थात्- जिस वस्तु का कुछ नाम हो न रूप हो, केवख सत्तामात्र ही जिसका लक्षण हो उस अनिर्वचनीय ब्रह्म को सिवा कुछ के और कहा भी क्या जा सकता है! एक लम्बे समय के बाद उस कुछ में- एकोऽहं बहु: स्याम - की स्वाभाविक भावना का प्रादुर्भाव हुआ, जिसे कि माया या प्रकृति नाम, से पुकारा जाता है। बस फिर क्या था, एक से दो होते ही इस दम्पती ने अपने अनिर्वचनीय कुछत्व को छोड़ कर अपना नामकरण संस्कार कर डाला। वेदादि शास्त्रों में इस आदिम व्यक्ति को स्वयम्भू या ब्रह्मा नाम से स्मरण किया गया है।

निविशेष सत्तामात्र से साकार ब्रह्मा की उत्पत्ति-पर्यन्त का रहस्य अनेक ग्रन्थों में, अनेकों परम्पराओं से लिखा है।

इसमें शाब्दिक विभिन्नता होते हुए भी वस्तुस्थिति में किचन्मात्र भी अन्तर नहीं है । इसलिए हम इस तात्त्विक- किन्तु इन्द्रियातीत पौर्वापर्य के झमेले में न पड़ कर सर्वसम्मत आदिम भगवान् ब्रह्मा जी से ही वेदों की परम्परा का आरम्भ करते हैं। ब्रह्मा की सर्वप्रथमता में अनेक वेद प्रमाण विद्यमान् हैं, तदनुसार सभी पुराणों में भी सृष्टि का कर्तृत्व एकमात्र ब्रह्मा जी पर ही स्थिर किया गया है। यथा.- (क) भूतानां ब्रह्मा प्रथमोत जज्ञे। (अथवं 16।22।21) (ख) ब्रह्मा देवानां प्रथम: सम्बभूव। विश्वस्य कर्ता भुवनस्य गोप्ता।। (मुण्डक) (ग) यो ब्रह्माणं विदधाति पूर्वम्। यो वै वेदांश्च प्रहिणोति तस्मै।। (घ) तस्मिञ्ज्ञे स्वयं ब्रह्मा सर्वलोकपितामह:। (मनु: 1।6) (ङ) अथ योगवतां श्रेष्ठमसृजद् भूरितेजसम्। स्रष्टारं सर्वलोकानां ब्रह्माणं सर्वतोमुखम्।।

क्रमश: ...

आपातकाल के खिलाफ बिगुल फूंकने वाले महानायक थे जयप्रकाश नारायण

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय लोकतंत्र के महानायक जयप्रकाश नारायण का जन्म 11 अक्टूबर 1902 को बिहार के सारण जिले के सिताबदियारा गांव में हुआ था। उनका जन्म ऐसे समय में हुआ था जब देश विदेशी सत्ता के आधीन था और स्वतंत्रता के लिए छटपटा रहा था। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा सारन और पटना जिले में हुई थी। वे 1922 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गये। जहां उन्होंने 1922 से 1929 तक कैलिफोर्निया तथा विस्कांसिन विश्वविद्यालय में अध्ययन किया।

जब वे अमेरिका से वापस लौटे तब भारत में स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन चरम पर था। वे भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बन गए और 1932 में अन्य प्रमुख नेताओं के जेल जाने के बाद भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया और अंतत: उन्हें भी इसी वर्ष जेल में डाल दिया गया। नासिक जेल में उनकी मुलाकात मीनू मसानी, अच्युत पटवर्धन, सी के नारायणस्वामी सरीखे कांग्रेसी नेताओं के साथ हुई। जेल में चर्चाओं के बाद कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का जन्म हुआ। यह पार्टी समाजवाद में विश्वास रखती थी।

1939 में उन्होंने अंग्रेज सरकार के खिलाफ लोक आंदोलन का नेतृत्व किया। सबसे बड़ी बात यह है कि जयप्रकाश स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में हथियार उठाने के पक्षधर थे। उन्होंने सरकार को किराया और राजस्व को रोकने का अभियान चलाया। टाटा स्टील कंपनी में हड़ताल करवाकर यह प्रयास किया कि अंग्रेजों को स्टील, इस्पात आदि न पहुंच सके। जिसके कारण उन्हें फिर हिरासत में ले लिया गया। उन्हें नौ माह तक जेल की सजा सुनायी गयी।

आजादी के बाद जयप्रकाश नारायण ने 19 अप्रैल 1954 को बिहार के गया में विनोबा भावे के सर्वोदय आंदोलन के लिए जीवन समर्पित कर दिया। 1959 में उन्होंने लोकनीति के पक्ष में राजनीति करने का ऐलान किया। 1974 में उन्हें बिहार में किसान आंदोलन का नेतृत्व किया और तत्कालीन बिहार सरकार के इस्तीफे की मांग की। जयप्रकाश नारायण प्रारम्भ से ही कांग्रेसी शासन विशेषकर इंदिरा गांधी की राजनीतिक शैली के प्रखर विरोधी थे। 1975 में श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता को बचाकर रखने के लिए आपातकाल लगा दिया। आपातकाल के दौरान देश के विपक्षी दलों के नेताओं को जेलों में डाल दिया गया । लगभग 600 से अधिक नेताओं को जेल में डाला गया तथा उन पर जेलों में अमानवीय अत्याचार किया गया जनता पर प्रतिबंध लगाए गये। आपातकाल में अत्याचारों से परेशान जनता कांग्रेस पार्टी से बदला लेने के लिए उतावली हो रही थी। जनता व नेताओं को अत्याचारों से मुक्ति दिलाने के लिए जयप्रकाश नारायण ने अथक प्रयासों से विपक्ष को एक किया और 1977 के चुनावों में देश को पहली बार कांग्रेस से मुक्ति मिली। लेकिन भारत के दुर्भाग्यवश उनका यह अथक प्रयास बीच में ही टूट गया और पहली गैर कांग्रेसी सरकार बीच में ही बिखर गयी। जिससे उनको मानसिक दु:ख पहुंचा।

इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू भारत की शरण में

नीरज कुमार दुबे

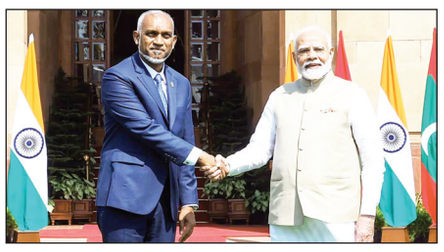

भारत के साथ संबंधों के प्रति मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का बदला हुआ दृष्टिकोण कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि मालदीव की राजनीति में अक्सर देखने को मिलता है कि चुनाव अभियानों के दौरान राजनेता जो बयानबाजी करते हैं, वह आधिकारिक नीतिगत निर्णयों में तब्दील नहीं होती। मुइज्जू को राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भारत की अहमियत समझ आ चुकी है। कर्ज में डूबे अपने देश को उबारने के लिए मुइज्जू को भारत की मदद की सख्त जरूरत है इसलिए चुनावों में इंडिया आउट का नारा देने वाले मुइज्जू भारत की शरण में आये हैं। चीन की यात्रा के दौरान ढेरों आश्वासन मिलने के बावजूद मुइज्जू अपने देश के लिए कुछ ठोस हासिल नहीं कर पाये इसलिए भारत से मदद मांगने आये हैं।

हम आपको बता दें कि मालदीव पर बड़ा आर्थिक संकट मंडरा रहा है इसलिए वह चाहता है कि भारत ऋण भुगतान को थोड़ा आसान बना दे। अपनी भारत यात्रा से ठीक पहले मुइज्जू ने अपने देश को वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि दिल्ली द्वीप राष्ट्र की वित्तीय स्थिति से पूरी तरह परिचित है और माले के सबसे बड़े विकास भागीदारों में से एक के रूप में बोझ को कम करने के लिए हमेशा तैयार रहेगी। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत और मालदीव ने 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली को लेकर जो समझौता किया है उससे मालदीव को विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े मुद्दों से निपटने में मदद मिलेगी।

हम आपको यह भी बता दें कि अभी पिछले महीने ही वैश्विक एजेंसी मूडीज़ ने मालदीव की क्रेडिट रेटिंग यह कहते हुए घटा दी थी कि डिफ़ॉल्ट जोखिम बढ़ गए हैं। दरअसल मालदीव को ऋण भुगतान में चूक का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उसका विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 440 मिलियन डॉलर हो गया है, जिससे कि सिर्फ डेढ़ महीने तक ही वस्तुओं का आयात किया जा सकता है। गौरतलब है कि यह द्विपीय राष्ट्र खाने पीने से लेकर अपनी तमाम जरूरतों के लिए विदेशों से सामान आयात करता है। विदेशों से सामान आयात करने के लिए उसे डॉलर की जरूरत है। विदेशी कर्ज चुकाने के लिए भी उसे डॉलर की जरूरत है। इसलिए मालदीव के सामने मुश्किल यह है कि वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार में पड़े डॉलरों से कर्ज चुकाये या अपनी जनता के लिए जरूरत का सामान मंगवाये। इसके अलावा मालदीव को अपने यहां बुनियादी ढांचे में निवेश की भी जरूरत है ताकि जनता के जीवन स्तर को बढ़ाया जा सके। इसके लिए भी भारत पहले ही मालदीव को विभिन्न बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिए 1.4 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता की पेशकश कर चुका है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि इस साल जनवरी में दोनों देशों के संबंधों में आये तनाव के मद्देनजर भारतीयों ने मालदीव में पर्यटन का बहिष्कार कर दिया था जिससे वहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुँचा है। मुइज्जू को अपनी चीन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से आश्वासन मिला था कि वह बड़ी संख्या में चीनियों को मालदीव में पर्यटन के लिए भेजेंगे लेकिन चीन से कोई नहीं आया। बताया जाता है कि मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 50,000 की गिरावट आई है, जिसके परिणामस्वरूप देश को लगभग 150 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। इसलिए मालदीव के राष्ट्रपति ने अपने भारत दौरे के दौरान कहा है कि वह मालदीव में बड़ी संख्या में भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि मुइज्जू ने परोक्ष रूप से भारत पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि इस छोटे से देश को धमकाने का लाइसेंस किसी के पास नहीं है। उन्होंने भारत के लिए अपने सैन्य कर्मियों को देश से वापस बुलाने के लिए 15 मार्च की समय सीमा भी तय की थी। मगर अब मुइज्जू भारत को साथ लेकर चलना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने कहा है कि मालदीव कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे भारत की सुरक्षा कमजोर हो। उन्होंने कहा है कि भारत मालदीव का एक मूल्यवान भागीदार और मित्र है और हमारा संबंध आपसी सम्मान और साझा हितों पर बना है। उन्होंने कहा है कि हम विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ अपना सहयोग बढ़ाते हैं, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे कार्यों से हमारे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता से समझौता नहीं हो।

जहां तक मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान मालदीव को हुए लाभ की बात है तो आपको बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मिलकर अपने देश में रूपे कार्ड को डिजिटल रूप से जारी किया। इसके अलावा दोनों नेताओं ने हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नये रनवे का उद्घाटन किया और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जतायी। चार दिवसीय राजकीय दौरे पर आए मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी के साथ विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान भारत ने मालदीव को 700 से अधिक सामाजिक आवास भी सौंपे। इसका निर्माण एक्जिम बैंक (भारतीय निर्यात-आयात बैंक) की खरीदार कर्ज सुविधा के तहत किया गया है। मोदी ने मुइज्जू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी ऐलान किया कि अब ग्रेटर माले संपर्क परियोजना में भी तेजी लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हम थिलाफुशी में एक नये वाणिज्यिक बंदरगाह के विकास में सहायता करेंगे। प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि भारत और मालदीव ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने मालदीव को एक 'घनिष्ठ मित्र' बताया जिसका भारत की पड़ोस नीति और सागर (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और वृद्धि) दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण स्थान है। मोदी ने कहा, ''भारत ने हमेशा एक पड़ोसी देश की जिम्मेदारियों को निभाया है। आज, हमने अपने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी का दृष्टिकोण अपनाया है।'' उन्होंने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। और भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। उन्होंने कहा कि हमारी Neighbourhood First policy और सागर Vision में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। बाइट।

वहीं मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू के बयान की बात करें तो उन्होंने कहा है कि सरकारी बॉण्ड को आगे बढ़ाने तथा मुद्रा की अदला-बदली के समझौते पर हस्ताक्षर समेत उदारतापूर्वक की गयी सहायता के लिए मैं भारत का आभार जताता हूं। उन्होंने कहा कि मालदीव में भारतीय निवेश बढ़ाने के लिए भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए मैं उत्साहित हूं। राष्ट्रपति मुइज्जू ने साथ ही कहा कि मालदीव के लिए भारत सबसे बड़ा पर्यटन का स्रोत है, और हमें अधिक भारतीय पर्यटकों का स्वागत करने की उम्मीद है। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत और मालदीव के बीच पारंपरिक रूप से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं और भारत इस द्वीप राष्ट्र का एक प्रमुख सहायता प्रदाता है। मुइज्जू ने अपने पूर्ववर्तियों की तरह राष्ट्रपति पद संभालने के तुरंत बाद भारत की जगह चीन की यात्रा कर दिल्ली को चिढ़ाने का जो प्रयास किया था उसका हश्र वह भुगत चुके हैं।

आज का इतिहास

1930 जवाहरलाल नेहरू को नैनी सेंट्रल जेल से रिहा किया गया।
1941 मैसेडोनिया की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सशस्त्र विद्रोहियों ने मैसिडोनिया के राष्ट्रीय मुक्ति युद्ध की शुरुआत करते हुए, प्रिलेप शहर में एक्सिस के कब्जे वाले क्षेत्रों पर हमला किया।
1942 द्वितीय विश्व युद्ध- गुआडलकैनल के उत्तर पश्चिमी तट पर केप एग्रॉसेंस की लड़ाई में, अमेरिकी जहाजों ने हेंडरसन फील्ड को नष्ट करने के लिए अपने रास्ते पर एक जापानी बेड़े को रोका और हराया।
1950 हंगरी-अमेरिकन पेंग्विनर पीटर गोल्डमार्क द्वारा विकसित एक क्षेत्र-अनुक्रमिक रंग प्रणाली वाणिज्यिक उपयोग के लिए मनके के लिए पहली रंगीन टेलीविजन प्रणाली बन गई, लेकिन इसे एक साल बाद ही छोड़ दिया गया।
1957 जोडरेल बैंक रेडियो दूरबीन चेशायर इंग्लैंड में खुला।
1968 नासा का पहला तीन-मैन स्पेस ऑपरेशन, अपोलो 7, केप कैनावेरल से लॉन्च किया गया है।
1968 अपोलो 7 (लिफ्ट-ऑफ पोर्ट्रेट), पहला मानवयुक्त मिशन एनएनएएसए का अपोलो कार्यक्रम, और पहला तीन-आदमी अमेरिकी अंतरिक्ष मिशन, वर्तमान 34 दिन के केप कैनावेरल, फ्लोरिडा में शुरू किया गया था।
1968 अमेरिका का पहला मानवयुक्त ओपोलो मिशन 'अपोलो 7' के प्रक्षेपण का कक्षा से पहली बार टेलीविजन प्रसारण किया गया।
1984 कैथी सुलिवन स्पेस शटल चैलेंजर मिशन एसटीएस-41-जी पर कक्षीय ईंधन भरने के लिए एक परीक्षण के दौरान अंतरिक्ष में चलने वाली पहली अमेरिकी महिला होने के द्वारा एक उदाहरण सेट करती है।
1984 अमेरिकी अंतरिक्ष वैज्ञानिक कैथरीन डी सुलिवन अंतरिक्ष में सैर करने वाली पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बनी।
1994 अमेरिका में कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में समलैंगिक विरोधी अधिकारों को असंवैधानिक घोषित कर दिया।
1998 एक सप्ताह की मुद्रा अटकलों के बाद डॉलर जापानी येन के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर 116 डॉलर पर डॉलर के कारोबार के साथ बस जाता है
2002 वांटा में एक शॉपिंग मॉल में एक बम हमले से फिनलैंड में सात लोग मारे गये।
2006 संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर के कई स्थानों पर बच्चों का दुरुपयोग व्यापक और सहनशील है। चैरिटी की एक अलग रिपोर्ट के अनुसार, द सेव द चिल्ड्रन दुनिया भर में एक मिलियन से अधिक बच्चों को कैद कर रहा है।

जब-जब विरोधी चलते हैं जाति वाला दांव, भाजपा निकाल लाती है ब्रह्मास्त्र

अभिनय आकाश

देश की राजनीति में कास्ट पॉलिटिक्स का दबदबा एक बार फिर से बढ़ता नजर आया। लोकसभा चुनाव के वक्त विपक्ष ने एक नैरेटिव चलाया था कि बीजेपी सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, और ये बात चुनावी मुद्दा बन गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार दोहराते नजर आए कि संविधान और आरक्षण व्यवस्था की वो हर कीमत पर रक्षा करेंगे। लगातार वो लोकसभा चुनाव के बाद जाति जगगणना की मांग करते संसद में दिख जाते हैं। जाति जनगणना की बात करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। हालत यह है कि जाति जनगणना के ध?वजवाहक रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लालू यादव और अखिलेश यादव को भी राहुल ने पीछे छोड़ दिया है। पूरे चुनाव में राहुल गांधी ने आरक्षण को मुद्दा बनाया। हर चुनावी रैली में संविधान की कॉपी लेकर भाषण दिया। यहां तक की वो सांसद के तौर पर शपथ लेने गए तो उस वक्त भी उनके हाथों में संविधान की कॉपी नजर आई। मानो राहुल जाति कार्ड के जरिए मंडल युग के दौर के सहारे बीजेपी को लोकसभा चुनाव में बहुमत से कम पर रोकने के बाद राज्य दर राज्य किनारे लगाते चले जाएंगे। राहुल ने इसकी कोशिश भी की। लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान इतना बड़ा झटका झेलने वाली बीजेपी इस बार पूरी तरह से तैयार नजर आई। उसने मंडल की राजनीति के सामने कमंडल का ब्रहमास्त्र चल दिया, जिसकी काट जाति की राजनीति करने वाले मुलायम, मायावती, लालू, रामविलास तक नहीं निकाल पाए थे। पहले योगी, फिर मोदी और संघ प्रमुख ने हिंदुओं के एकजुटता के आह्वान को मानो ऐसा पकड़ा कि चुनाव से पहले ही अपने आप को विजेता मानने वाली कांग्रेस के पांव बारह हो गए। हरियाणा हो या जम्मू-कश्मीर, बीजेपी को हिंदुओं ने बड़ी संख्या में वोट किया है। बीजेपी की जीत में हिंदुत्व ने बड़ी भूमिका निभाई है। जम्मू में तो पार्टी को जबरदस्त समर्थन मिला है। 2024 के नतीजों के बाद कहा जाने लगा था कि हिंदुओं का वोट बंट गया है, लेकिन हरियाणा और जम्मू के जरिए बीजेपी ने दिखाया है कि हिंदुत्व का मुद्दा अभी भी धारदार है।

साल 1990 जिसे भारतीय सामाजिक इतिहास में 'वाटरशेड मोमेंट' कहा जा सकता है। अंग्रेज़ी के इस शब्द का मतलब है- वह क्षण जहां से कोई बड़ा परिवर्तन शुरू होता है। बोफोर्स घोटाले पर हंगामा और मंडल कमीशन की रिपोर्ट पर सियासत। हाशिए पर पड़े देश के बहुसंख्यक तबके से इतर जातीय व्यवस्था में राजनीतिक चाशनी जब लपेटी गई तो हंगामा मच गया। समाज में लकीर खींची और जातीय राजनीति के धुरंधरों के पांव बारह हो गए। इन सब से दूर दिल्ली की राजनीति ये अच्छी तरह से जानती थी कि आरक्षण का तीर उनके लिए वोट बैंक का ब्रह्मास्त्र हो जाएगा। क्योंकि मंडल कमीशन से उपजी आरक्षण नीति का सबसे ज्यादा असर उत्तर भारत पर पड़ा। लालू, मुलायम, मायावती, पासवान जैसे नेता क्षेत्रीय क्षत्रप बनते चलते गए, वक्त के साथ लालू और मुलायम मजबूत होते गए और अपने-अपने राज्यों में ये नेता पिछड़ों की राजनीति से पलायन करते करते सिर्फ और सिर्फ अपनी जाति की राजनीति करने लगे। लेकिन ठीक उसी वक्त मंडल की राजनीति के उभार और उसके ठीक समानांतर राम मंदिर

आंदोलन ने पहली बार जाति-बिरादरी के मुद्दों को हिंदुत?व की बहस में जगह दिलवाने का काम किया। भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर अभियान को कमंडल की राजनीति कहा जाता है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर स्थल पर कारसेवा को लेकर हिंदू संगठनों और तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार के बीच संघर्ष ने देश और प्रदेश की राजनीति को हिंदुत्व बनाम धर्मनिरपेक्षता में बांट दिया था।

जातीय आरक्षण के कार्ड और उदारीकरण के जरिये लोगों को आर्थिक तरक्की का रास्ता तलाशने का सपना दिखाने पर जारी बहस के बीच 1991 के चुनावी नतीजे आए। भाजपा ने 221 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया। मुलायम सिंह की पार्टी 34 सीटों के साथ चौथे नंबर पर रही। तब वह जनता पार्टी में थे। प्रदेश में घटी घटनाओं ने न सिर्फ राष्ट्रीय राजनीति पर असर डाला, बल्कि अन्य राज्यों की राजनीति को भी प्रभावित किया। अयोध्या और उत्तर प्रदेश में लगने वाला 'जय श्रीराम'का नारा कई प्रदेशों की सियासत में असर दिखाने लगा।

1951 और 2011 के बीच, जवाहरलाल नेहरू जैसे कांग्रेसी प्रधानमंत्री जाति जनगणना के खिलाफ थे, जबकि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने मंडल आयोग की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। भारत में आखिरी बार जाति जनगणना अंग्रेजों द्वारा कराई गई थी। 2011 में भी, यह राजद जैसे कांग्रेस के सहयोगी ही थे जिन्होंने जाति जनगणना कराने के लिए यूपीए पर दबाव डाला, जिससे कांग्रेस की दशकों से ऐसा न करने की घोषित नीति की स्थिति पलट गई। 2011 में भी पी चिदंबरम, आनंद शर्मा और पवन कुमार बंसल जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने जाति जनगणना पर आपत्ति जताई थी और मंत्रियों का एक समूह (जीओएम) इस पर कभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा।

कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस का दबदबा रहा तो जम्मू इलाके में बीजेपी का वर्चस्व दिखा. जम्मू-कश्मीर में बीजेपी के हाथ सत्ता की चाबी भले ही न लगी हो, लेकिन यह साफ हो गया कि उसके हिंदुत्व और राष्ट्रवादी राजनीति की धार कुंद नहीं पड़ी है. जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए के खात्मे के बाद बीजेपी ने जम्मू के रीजन में अपना दबदबा बनाए रखा और फिर अजय रही है. जम्मू-कश्मीर में 60 सीटें मुस्लिम बहुल और 30 सीटें हिंदू बहुल है. हिंदू बहुल 30 सीटों में से बीजेपी 26 सीटें जीतने में कामयाब रही और तीन सीटें मुस्लिम इलाकों से जीती हैं. जम्मू-कश्मीर में बीजेपी के 2014 के चुनाव के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन से न सिर्फ पार्टी का आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि आक्रमक भी नजर आएगी.

ये नतीजे बीजेपी के लिए आगे की रणनीति की राह आसान करेंगे। हरियाणा में परिणाम पार्टी के पक्ष में रहे और इससे संदेश गया कि एक बार फिर पीएम मोदी और उनकी नीतियों पर जनता ने मुहर लगा दी। ये कहीं न कहीं यह इस बात का संकेत है कि बैंड मोदी पर अब भी लोगों का भरोसा बना हुआ है। नतीजे के एग्जिट पोल के रुझानों उलट होने को मतलब 10 साल सत्ता में रहने के बाद अब पीएम मोदी की नीतियों, उनके फैसलों और कामकाज को लेकर प्रो इनकंबेंसी फैक्टर के रूप में भी देखा जा सकता है। यह भी कहा जा सकता है कि ब्रैंड मोदी की चमक कायम है।

हरियाणा में बीजेपी के अनुकूल नतीजा आना दिखा रहा कि किसानों-जवानों और पहलवानों के मुद्दों ने जनता को प्रभावित नहीं किया है। दिल्ली की सत्ता में बैठे दल के लिए हरियाणा वह राज्य है, जो उसे यूपी, राजस्थान से लेकर पंजाब, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर तक से जोड़ता है। हरियाणा और यूपी दहलीज हैं दिल्ली की। दोनों ही जगह बीजेपी है। ऐसे में एक दहलीज अगर कमजोर पड़ती, तो बीजेपी के किले के दरकने का खतरा बढ़ जाता। लेकिन इसे बीजेपी ने मजबूती से अपनी ओर कर लिया।

नतीजे विपक्ष के मुताबिक नहीं आए, जिससे इस बात का संकेत भी मिलता है कि लोकसभा में विपक्ष का बेहतर प्रदर्शन सिर्फ तुक्का था, लोगों को अब उनमें सियासी विकल्प नहीं नजर आता है। हरियाणा में कांग्रेस की हार विपक्षी खेमे में कांग्रेस की ताकत और पकड़ को भी कमजोर कर सकती है। कांग्रेस को अगर जीत मिलती तो ये उसके लिए संजीवनी की तरह होती। इससे नेताओं-कार्यकर्ताओं में यकीन पैदा होता कि वे बीजेपी को हरा सकते हैं। ऐसा होना विपक्ष, खासकर कांग्रेस के लिए रिवाइवल जैसा होता। इन नतीजों से कांग्रेस की बारगेनिंग पावर भी बढ़ सकती थी। फिर चाहे जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने की बात हो या फिर झारखंड और महाराष्ट्र में सीटों का तालमेल, कांग्रेस मजबूती से अपना हिस्सा मांग सकती थी। लेकिन कांग्रेस एक बार फिर बीजेपी के सामने सीधे मुकाबले में कमजोर साबित हुई। पिछले कुछ सालों से यह ट्रेंड लगातार चला आ रहा है। साथ ही इस हार ने कांग्रेस के बढ़ते ग्राफ पर अंकुश लगा दिया। लगातार भितरघात से गुजर रही पार्टी को नए नैरेटिव की भी तलाश करनी होगी।

2019 के चुनाव में हरियाणा में बीजेपी ने 10 की 10 सीटें अपने नाम की थी। वहीं 2024 में मुकाबला फिफ्टी-फिफ्टी का हो गया। इसी से कांग्रेस ने मान लिया कि अब तो बस हमारी ही सरकार बनने वाली है। हालांकि वो ये भूल गई कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी हरियाणा की 90 में से 46 सीटों पर आगे थी। हरियाणा में बीजेपी की जीत का देश की राजनीति और सियासत पर क्या असर होगा। ये सवाल अब सबसे अहम हो गया है, लेकिन हरियाणा की जीत ने बीजेपी और पीएम मोदी को एक नया आत्मविश्वास दिया है। इस नतीजे के बाद पीएम मोदी नीतिगत मामलों से जुड़े फैसलों की ओर आगे बढ़ेंगे। 4 जून 2024 को लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद कई सारे मुद्दे पर यू-टर्न लेने के लिए मजबूर रही सरकार अब पूरी मजबूत से अपने एजेंडे को लागू करेगी।

हरियाणा की हार से इंडिया ब्लॉक में कमजोर होगी कांग्रेस की स्थिति

आसिम अली

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए बड़ी असफलता साबित हुए हैं। पार्टी ने लोकसभा चुनाव के दौरान जो मोमेंटम हासिल किया था, उसे गंवा दिया है। आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली के अहम विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी ने इसके पहले खुद को कमजोर स्थिति में ला दिया है। हरियाणा में कांग्रेस को काफी उम्मीदें थीं। लेकिन उसकी रणनीति में कहां कमी रह गई और इसका केंद्रीय नेतृत्व के लिए क्या मतलब है, इसे समझने की कोशिश करते हैं।

कांग्रेस ने इस चुनाव की कमान एक तरह से भूपेंद्र हुड्डा गुट को सौंप दी थी। पार्टी ने हालांकि मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं की, लेकिन यह साफ था कि संभावित चेहरा भूपेंद्र सिंह हुड्डा ही होंगे। इसकी उम्मीद इसलिए भी थी क्योंकि हुड्डा गुट ने 90 में से 72 सीटों पर अपने करीबियों को टिकट दिलाया था। हरियाणा कांग्रेस में किसी एक गुट का इस हद तक नियंत्रण बिल्कुल नई बात है। अतीत में जाएं, तो 1980 के दशक में पार्टी की राज्य इकाई भजनलाल और बंसीलाल गुटों में बंटी थी। 1990 के दशक से भजनलाल और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के गुटों के बीच प्रतिस्पर्धा होने लगी। 2000 के दशक के बीच से राज्य में ऐसे दूसरे नेता उभर आए जिन्होंने मजबूत हुड्डा गुट को टक्कर दी।

पिछले पांच बरसों में हुड्डा परिवार फिर से मजबूत हुआ है। उसने अपने प्रतिद्वंद्वियों को या तो पार्टी से बाहर कर दिया या फिर उनके प्रभाव को खत्म कर दिया। उदाहरण के लिए कुलदीप बिश्नोई, अशोक तंवर और किरण चौधरी का नाम ले सकते हैं, जिन्होंने कांग्रेस का साथ छोड़ा। हालांकि चुनाव से ठीक पहले तंवर की वापसी हो गई थी। इसी तरह, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला जैसे वरिष्ठ नेताओं का प्रभाव घटता गया।

कांग्रेस में विभिन्न गुटों के बीच प्रतिस्पर्धा का फायदा यह है कि इससे पार्टी को अलग-अलग जाति और क्षेत्र के जटिल समीकरणों को साधने में मदद मिलती है। साथ ही, उसकी छवि एक ऐसे दल के रूप में बनती है, जिसके तहत हर तरह के लोग काम कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो गुटों का टकराव संतुलन लाने में मदद करता है, मसलन जाट नेताओं के प्रभाव के सामने ओबीसी और दलित नेताओं को लाना।

इस बार कांग्रेस की रणनीति में कुछ कमजोरियां थीं, जिसका उसे नुकसान उठाना पड़ा। इसमें एक गलती यह रही कि हुड्डा को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार दिखाने और बाकी नेताओं को नजरअंदाज करने से भाजपा को जाट बनाम गैर-जाट का नैरेटिव आगे बढ़ाने का मौका मिल गया। यह याद रखना चाहिए कि राज्य में जाटों की आबादी केवल 19% है। जाट दबदबे का डर दिखाकर भाजपा ने अपने मुख्य वोट बैंक, अगड़ी जातियों और ओबीसी को एकजुट किया। साथ ही, काफी संख्या में दलित वोट भी हासिल कर लिए।

हरियाणा में दलित वोट बैंक कुल आबादी का लगभग 21% है, लेकिन लगता है कि कांग्रेस इसका फायदा नहीं उठा पाई आईएनएलडी-बसपा गठबंधन को 6% वोट शेयर मिलना दिखाता है कि दलितों का एक बड़ा हिस्सा कांग्रेस के अभियान से दूरी बनाए हुए था। आखिरी चरण को छोड़ दिया जाए तो बाकी चुनाव प्रचार से कुमारी सैलजा गायब रहीं। इससे भी कांग्रेस के पक्ष में दलितों को जुटाने में मुश्किल हुई।

बागी और निर्दलीय उम्मीदवारों ने चुनाव में बहुत चुनौती पेश की और कांग्रेस की रणनीति इसका सामना करने में नाकाम रही। चुनाव में कांग्रेस के 36 बागी नेता खड़े थे। वहीं, भाजपा के 33 नेताओं ने बागी रुख अपनाया। महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी ने इन बागियों को संभाला कैसे। हरियाणा जैसे राज्य में इस तरह का चुनावी प्रबंधन महत्वपूर्ण हो जाता है, जहां जीत का मार्जिन बहुत कम होता है।

दोनों पार्टियों का कुल वोट शेयर लगभग समान था, करीब 40%। लेकिन, औसत वोट शेयर के मामले में भाजपा ने कांग्रेस पर काफी बढ़त हासिल कर ली। यहां भाजपा का डेटा रहा 45% और कांग्रेस का 40% (आंकड़े मंगलवार देर शाम तक के आधार पर)। औसत वोट शेयर का मतलब है एक खास निर्वाचन क्षेत्र में किसी पार्टी को मिला वोट शेयर। कांग्रेस को कई कड़ी टक्कर वाली सीटों पर हार मिली। इसकी वजह शायद निर्दलीय रहे, जिन्होंने 10% से ज्यादा वोट शेयर हासिल किए या फिर आईएनएलडी-बसपा का गठबंधन।

इस हार ने कमजोर हाईकमान की समस्या को उजागर कर दिया है, जो उम्रदराज नेताओं के दबाव में झुक जाता है। जी23 विद्रोह में हुड्डा भी शामिल थे। सोनिया गांधी उनकी मांगों के आगे झुक गईं और हरियाणा में पार्टी से जुड़े मामलों पर उन्हें पूरी तरह नियंत्रण दे दिया। ऐसा ही मामला राजस्थान में हुआ, जहां अशोक गहलोत ने एक सफल बगावत की। फिर मध्य प्रदेश का भी उदाहरण है। वहां पुराने नेता कमलनाथ ने युवा नेताओं को उभरने से रोका। इन सभी राज्यों में कांग्रेस को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है।

गांधी परिवार इस असफलता की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकता। छोटे-से राज्य हिमाचल प्रदेश को छोड़ दीजिए तो पिछले 6 बरसों में कांग्रेस पार्टी विंध्याचल के उत्तर में किसी भी राज्य में भाजपा को सीधे मुकाबले में नहीं हरा पाई है। इससे जाहिर होता है कि नेतृत्व में गंभीर कमी है। अगले साल महाराष्ट्र में एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना, झारखंड में जेएमएम दिल्ली में आप और बिहार में आरजेडी से सीटों के तालमेल पर बात करते हुए कांग्रेस की स्थिति कमजोर रहेगी। यानी इंडिया ब्लॉक की मजबूत दीवार बनने के बजाय कांग्रेस को फिर से क्षेत्रीय दलों के सामने झुक कर काम करना पड़ेगा।

हरियाणा में भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार

कमलेश पांडे

हरियाणा की चुनावी परीक्षा में बीजेपी जहां 48 सीटें जीतकर पास हो गई, वहीं कांग्रेस को उम्मीदों से कम सीटें महज 37 मिलीं। वहीं, इंडियन नेशनल लोक दल को मात्र 2 सीटें मिलीं, जबकि 3 सीटें निर्दलीय प्रत्याशी जीत ले गए।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सूबे में सत्ताधारी पार्टियों के बी टीम के रूप में काम कर रहीं आम आदमी पार्टी, जननायक जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी आदि को बेहद खराब अंक मिले। हां, इन्होंने राज्य में कांग्रेस के बढ़ते ग्राफ को थामने में भाजपा की अंदरखाने से मदद की, ताकि भविष्य में कोई भी मजबूत विपक्षी दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सके। इस अप्रत्याशित चुनाव परिणाम से जहां भाजपा की बांछें खिल गईं, वहीं कांग्रेस के सियासी हौसले लगातार तीसरी बार पस्त पड़ गए। इस बार तो वह जीती हुई बाजी हार गई। इससे यह साबित हो गया कि अब वह पूरी तरह से परजीवी पार्टी बन गई है। क्योंकि हरियाणा में भी अकेले थी तो हार गई। यही वजह है कि हरियाणा में भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार और तीसरे-चौथे मोर्चे के जार-जार होने की चर्चा हर ओर छिड़ी हुई है।

देखा जाए तो हरियाणा में कांग्रेस को शिकस्त देकर भाजपा ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया कि चुनावी रणनीति बनाने में उसके रणनीतिकारों की कोई तोड़ नहीं। हां, इतना जरूर है कि जब कभी भी और जहां कहीं भी वह हारती है तो अपनों की भीतरघात की वजह से और जहां कहीं भी ताल ठोंक कर जीतती है तो आरएसएस के वरदहस्त और अपने कार्यकर्ताओं के अतिउत्साह के चलते, जो हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के प्रति पूरी तरह से समर्पित रहते हैं। और अब जिस तरह से प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा करार दिया है, वह भी उसपर भारी पड़ने वाला है। जिस तरह से भारत के लोकतंत्र, अर्थतंत्र और सामाजिक तानेबाने को कमजोर करने की अंतर्राष्ट्रीय साजिशें हो रही हैं, उसके मुताल्लिक पीएम मोदी की बातों में दम है। नि:सन्देह कांग्रेस उसी मुस्लिम लीग की ट्रू कॉपी बनती जा रही है, जिसके प्रतिरोध स्वरूप उसने राष्ट्र विभाजन तक को स्वीकार किया था।

सच कहूं तो हरियाणा के मामले में चुनावी पंडित जिस तरह से गच्चा खा गए, उससे फिर यह बात स्पष्ट हो गई कि राजनीति में दो जोड़ दो बराबर चार समझने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए और जो ऐसा करते हैं, सियासत के हाशिये पर चले जाते हैं हुड्डा-शैलजा सरीखे अन्य क्षेत्रीय नेताओं की तरह! जानकारों के मुताबिक, हरियाणा में हैट्रिक लगाते हुए भाजपा वहां तीसरी बार अपनी सरकार बनाएगी। आम चुनाव 2024 में कांग्रेस गठबंधन को मिली तात्कालिक अप्रत्याशित सफलता की बात यदि छोड़ भी दी जाए तो हाल के वर्षों में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, असम, गुजरात आदि के बाद हरियाणा भी एक ऐसा राज्य बन चुका है, जहां पर बीजेपी ने अपने मजबूत चुनावी प्रबंधन से विरोधी पार्टियों के मंसूबे ध्वस्त कर दिए। वहीं, बिहार, पश्चिम बंगाल, जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में भी उसकी स्थिति सुधरी है।

हरियाणा में जबरदस्त एंटी इनकंबेंसी के बावजूद बीजेपी का तीसरा बार जीतना बहुत मायने रखता है। क्योंकि उसकी जीत अब इस बात को स्पष्ट करती है कि एससी-ओबीसी मतदाताओं को खींचने में कामयाब रही। भले ही चुनाव नतीजों से पहले एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी और यहां तक कहा गया था कि किसान, जवान और पहलवान बीजेपी से नाराज हैं। इसलिए उससे सत्ता छिन जाएगी, लेकिन मुख्यमंत्री सैनी के आत्मविश्वास के चलते जो असल नतीजे आए, उससे कहानी बिल्कुल पलट गई है। गीता की धरती पर सत्य की जीत हुई। कुरुक्षेत्र वाले भूभाग में कौरवों सरीखी कांग्रेस हार गई।

बीजेपी ने गत लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए गैर जाट मतदाताओं को गोलबंद करने का काम किया और अपनी रणनीति में वह कामयाब हो गई। खासकर एससी और ओबीसी समुदाय से आने वाले मतदाताओं पर उसने फोकस किया और उनको अपनी तरफ खींचने में कामयाब रही। वहीं, चुनाव से ठीक पहले बीजेपी की सीएम बदलने वाली रणनीति भी गुजरात की तरह ही कामयाब रही। क्योंकि नायब सिंह सैनी, ओबीसी समुदाय से आते हैं, जिनको सीएम बनाने से ओबीसी मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश गया। वहीं, ओबीसी रणनीतिकार दिलीप मंडल को मलाईदार पद देने के बाद उनके समर्थकों ने भी कमल खिलाने का काम किया।

भले ही हरियाणा में जाट मतदाताओं का वोट बैंक बहुत बड़ा है जिनके समर्थन पर कांग्रेस काफी निर्भर रही है, लेकिन उनमें भी दरार डालने में भाजपा सफल रही। जाट मतदाता कितने शक्तिशाली हैं, इसका अंदाजा इस बात से मिलता है कि राज्य में जाट समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री लगभग 33 साल तक शासन कर चुके हैं। हालांकि, वर्ष 2014 में, जब बीजेपी सत्ता में आई तो कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा को जाना पड़ा, जो जाट समाज से ही आते हैं। क्योंकि बीजेपी ने तब मनोहर लाल खट्टर को सीएम बनाया जो एक पंजाबी खत्री समुदाय से सम्बन्धित हैं। जब 2019 में बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाई, तो उसने जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला का समर्थन लिया था, जो एक महत्वपूर्ण जाट नेता हैं।

बीजेपी के लिए यह जीत इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि उसके खिलाफ यहां तगड़ी एंटी इनकंबेंसी लहर थी। जिससे पार्टी भी वाकिफ थी। इसलिये अंतिम समय में पार्टी ने नेतृत्व परिवर्तन किया और मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। वहीं, राज्य बीजेपी अध्यक्ष मोहन लाल बडोली और पूर्व सांसद संजय भाटिया जैसे वरिष्ठ नेताओं तक को विधानसभा चुनावों से दूर रखने का फैसला उनकी रजामंदी से किया। क्योंकि गत लोकसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। 2024 के आम चुनावों में, बीजेपी ने 10 में से सिर्फ 5 लोकसभा सीटें जीतीं और महज 46.1 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस ने बाकी सीटें छीन लीं और 43.7 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर 58 प्रतिशत था, जो अब 12 प्रतिशत घटकर 46.1 प्रतिशत रह गया। हालांकि विधानसभा चुनाव के आंकड़े अब बिलकुल अलग तस्वीर पेश करते हैं, जिससे भाजपा को भी सुकून मिली है।

हरियाणा में मिली अप्रत्याशित बीजेपी के लिए आने वाले चुनावों के लिहाज से भी एक शुभ संकेत जैसा ही है, जिसकी शुरुआत महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा

चुनाव से होगी। फिर दिल्ली भी इससे प्रभावित होगी, क्योंकि उसके चारों ओर कमल खिला हुआ है। इस प्रकार हरियाणा ने बीजेपी को 2024 लोकसभा चुनावों के दौरान देखी गई अप्रत्याशित गिरावट को उलटने का पहला वास्तविक मौका दिया है। क्योंकि यहां की जीत से महाराष्ट्र, झारखंड और अंततः दिल्ली में भी बेहतर प्रदर्शन की नींव रखी जा सकती है। बशर्ते कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पर कतरने वाली सियासत को वह अंदरूनी तौर पर बढ़ावा नहीं दे। क्योंकि हरियाणा में भी सर्वाधिक मांग योगी की ही थी चुनाव प्रचार के दौरान। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में इस वर्ष के आखिर तक चुनाव होने वाले हैं। वहीं, झारखंड में भी जल्द ही चुनाव होंगे। संभव है कि दिल्ली का चुनाव भी इन राज्यों के साथ हो जाए। अगले वर्ष बिहार में भी चुनाव होंगे। इसलिए हरियाणा में जीत से बीजेपी को एक तरीके से आगामी चुनावों में जो नैतिक बढ़त हासिल होगी, वही उसकी वास्तविक पूंजी है।

वहीं, देश पर सर्वाधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस अंततः जीती हुई लड़ाई कैसे हारती है, यह भी हरियाणा के चुनाव परिणाम से समझा जा सकता है। जहां पार्टी युवराज और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की अदूरदर्शिता भरी बयानबाजी ने पूरी पार्टी की लुटिया ही डुबो दी। जातिगत जनगणना, एससी और ओबीसी पॉलिटिक्स, अल्पसंख्यक सियासत पर पार्टी नेतृत्व के अतिरेक निर्णय ने उन सवर्ण जाटों को भी कांग्रेस के ऊपर फिदा होने से रोक दिया, जिनके दम पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा की पूरी सियासत चमक सकती थी। मैं राजनीतिक विश्लेषकों की उन बातों से सहमत नहीं हो सकता कि इस चुनाव में कांग्रेस को भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जरूरत से ज्यादा भरोसा महंगी पड़ी।

यह ठीक है कि हुड्डा को ज्यादा तरजीह दिए जाने के कारण कुमारी शैलजा विफर उठीं, जिससे कांग्रेस की आंतरिक कलह सार्वजनिक मंचों पर भी सामने आ गई। उनके बाद भले ही राहुल गांधी ने सैलजा और हुड्डा का हाथ मिलवाया, लेकिन उनके प्रतिबद्ध कार्यकर्ताओं के दिल आपस में नहीं मिल सके। इससे कांग्रेस बीजेपी के खिलाफ उपजे राज्यव्यापी गुस्से को भुनाने में कामयाब नहीं हो पाई। जबकि प्रचार के आखिरी चरण में बीजेपी ने अपने कील-कांटे इस प्रकार से दुरुस्त कर लिए कि उसकी जीत सुनिश्चित हो और ऐसा ही हुआ। अंततः भाजपा ने बाजी मार ली।

चर्चा है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस में शुरु से ही पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की चली। जिन्होंने अपने मन के मुताबिक टिकट बांटे। चूंकि हाईकमान से फ्री हैंड मिलने के बाद हुड्डा ने न सिर्फ अपने समर्थकों को टिकट बांटे बल्कि सैलजा समर्थकों को महज 9 कमजोर सीट देकर साइड लाइन कर दिया। इस तरह से उन्होंने अपनी ही पार्टी में अंतर्कलह के बीज रोप दिए। नतीजा सामने है, क्योंकि सैलजा की सार्वजनिक नाराजगी के बाद कांग्रेस के दलित कार्यकर्ता छिटक गए। राहुल की आरक्षण हटाने वाली बयानबाजी ने भी दलितों को कांग्रेस से छिटकने का मौका दिया।

वहीं, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कारण ही आम आदमी पार्टी से गठबंधन का रास्ता भी लगभग बंद हो गया, जिसकी खीझ में आप ने भी 90 सीटों पर कैंडिडेट उतार दिए। स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन में फूट का संदेश मतदाताओं के बीच अच्छा नहीं गया। आम आदमी पार्टी ने भी कांग्रेस के ही वोट काटे। उधर भारतीय राजनीति में कभी तीसरे मोर्चे की भूमिका निभा चुके इंडियन नेशनल लोक दल और उसके बागी धड़े जननायक जनता पार्टी से गठबंधन कर चुकी चौथे मोर्चे की बसपा के अलावा आजाद समाज पार्टी की विपक्ष विरोधी भूमिका से वोटरों में संदेश अच्छा नहीं गया। वहीं, चुनाव प्रचार के दौरान 1 बनाम 35 का नैरेटिव भी भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कैंप से बाहर आया, जिससे गैर जाट भी कांग्रेस के खिलाफ लामबंद हो गए। क्योंकि भाजपा भी तो यही चाहती थी। इसलिए उसने इन बातों को खूब चुनावी हवा दी।

वहीं, हरियाणा की बाजी अपने हाथ करने में भाजपा के टीम वर्क का सबसे बड़ा हाथ है। जिसकी सबसे मजबूत कड़ी भाजपा का वह सांगठनिक ढांचा है, जिसकी रणनीति में बूथ प्रबंधन उनकी जीत के ताले की चाबी समझे जाते हैं। भाजपा जानती है कि अपने कोर वोटर को कैसे बूथ तक ले जाया जाए। इसमें आरएसएस उसको बैक सपोर्ट देती है। जबकि अन्य सभी दल अपने प्रचार और संपर्क यात्रा के बाद अपने वोटरों को उनके हवाले कर देते हैं, क्योंकि उनके साथ वह मतदान समय के अंत तक कम ही जुड़े रहते हैं। यही वजह है कि जहां हार जीत का बड़ा अंतर नहीं होता है, वहां भाजपा बाजी मार ले जाती है। वह वैसे सभी विधान सभा को अपने सक्रिय और समर्पित कार्यकताओं के जरिए परिणाम बदलने की ताकत रखती है। इस बार भी उसने यही किया और अपने नेक मकसद में कामयाब रही।

यदि भाजपा रणनीतिकारों की बात करें तो हरियाणा में उन्हें अपने कोर वोटर का पक्का भरोसा था। लेकिन उन्होंने हरियाणा में वोट के बिखराव के कई कारण बनाए, ताकि कांग्रेस और हुड्डा परिवार को कमजोर किया जा सके। जानकार बताते हैं कि इनेलो और जेजेपी को अकेले अपने दम पर चुनाव लड़वाने के पीछे भाजपा की ही अंदरूनी शक्ति काम कर रही थी। इतना ही नहीं, जननायक जनता पार्टी और आजाद समाज पार्टी तथा इनेलो व उसके विभिन्न धड़ों और बसपा के बीच हुए गठबंधन के पीछे भी भाजपा रणनीतिकारों के हाथ होने की चर्चा है। चुनावी समरभूमि से यह बात निकलकर के सामने आ रही है कि इन दोनों गठबंधन का हरियाणा के जाट और दलित वोटों पर कुछ कुछ क्षेत्रों पर खास असर दिखा, जिसके वजह से कांग्रेस अपेक्षित वोट हासिल नहीं कर पाई। रही सही कसर आम आदमी पार्टी ने भी पूरी कर दी, जो वोट के विभाजन का जबरदस्त कारण बनी।

धरती का स्वर्ग कश्मीर

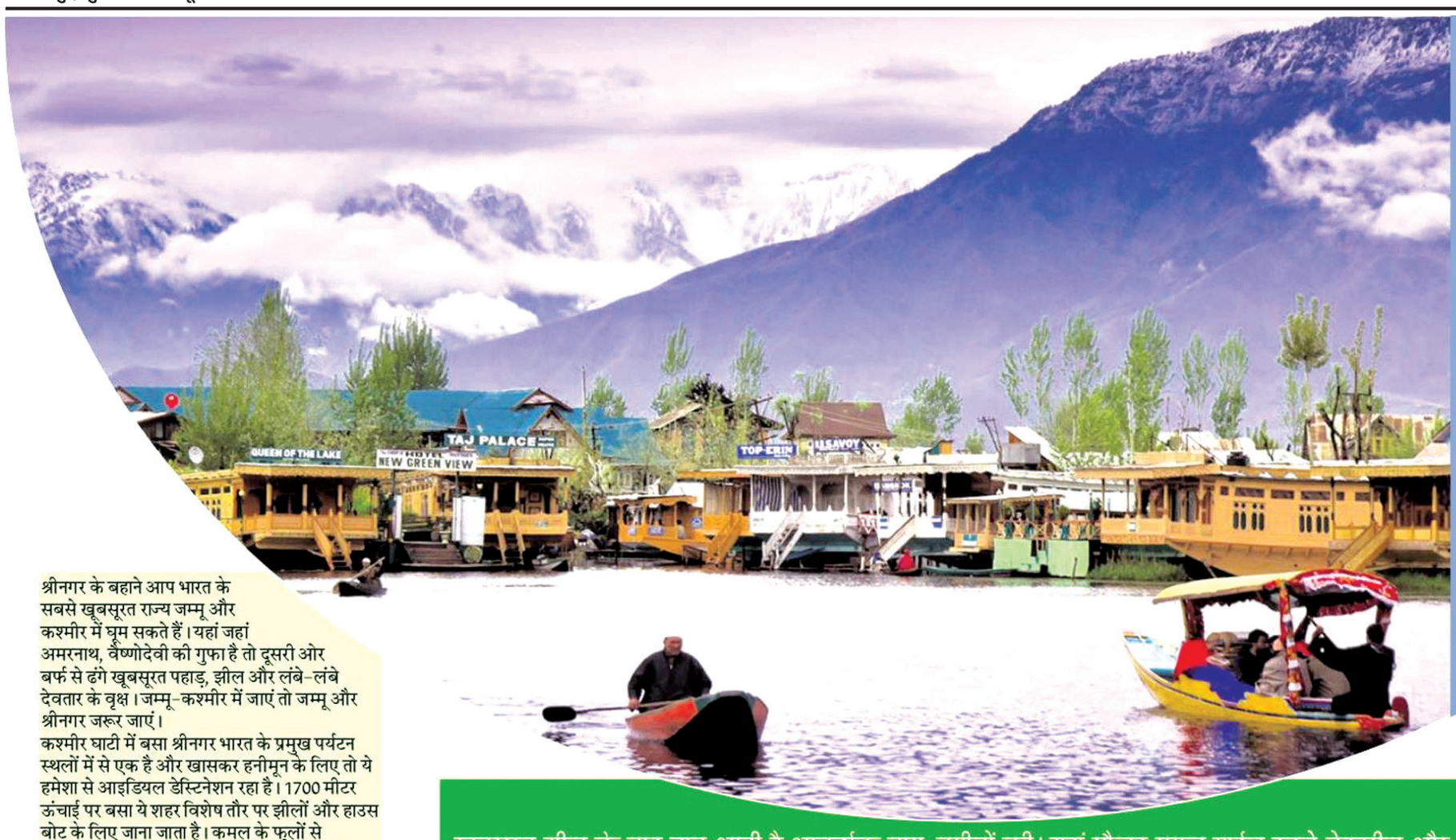

श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां जहां अमरनाथ, वैष्णोदेवी की गुफा है तो दूसरी ओर बर्फ से ढंगे खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। जम्मू-कश्मीर में जाएं तो जम्मू और श्रीनगर जरूर जाएं।

कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है और खासकर हनीमून के लिए तो ये हमेशा से आइडियल डेस्टिनेशन रहा है। 1700 मीटर ऊंचाई पर बसा ये शहर विशेष तौर पर झीलों और हाउस बोट के लिए जाना जाता है। कमल के फूलों से सुसज्जित डल झील पर कई खूबसूरत नावों पर तैरते घर हैं जिन्हें हाउस बोट कहा जाता है।

अगर आपको भीड़-भाड़ से दूर एकदम शांत वातावरण में किसी हाउस बोट में रहने की इच्छा है तो आप नागिन लेक या झेलम नदी पर खडे हाउस बोट में ठहर सकते हैं। नागिन झील भी कश्मीर की सुंदर और छोटी-सी झील है। आमतौर पर यहां विदेशी सैलानी ही ठहरना पसंद करते हैं।

खूबसूरत झील के बाद बात आती है आकर्षक बाग-बगीचों की। यहां मौजूद मुगल गार्डन इतने बेहतरीन और सुनियोजित ढंग से तैयार किया गया है कि मुगलों का उद्यान-प्रेम इनकी खूबसूरती के रूप में यहां आज भी झलकता है। इसके अलावा शालीमार बाग, निशात बाग जैसे कई महत्वपूर्ण उद्यानों को देखे बिना श्रीनगर का सफर अधूरा-सा लगता है। इन उद्यानों में चिनार के पेड़ों के अलावा और भी छायादार वृक्ष हैं। रंग-बिरंगे फूलों की तो इनमें भरमार रहती है। इन उद्यानों के बीच बनाए गए झरनों से बहता पानी भी बेहद आकर्षक लगता है।

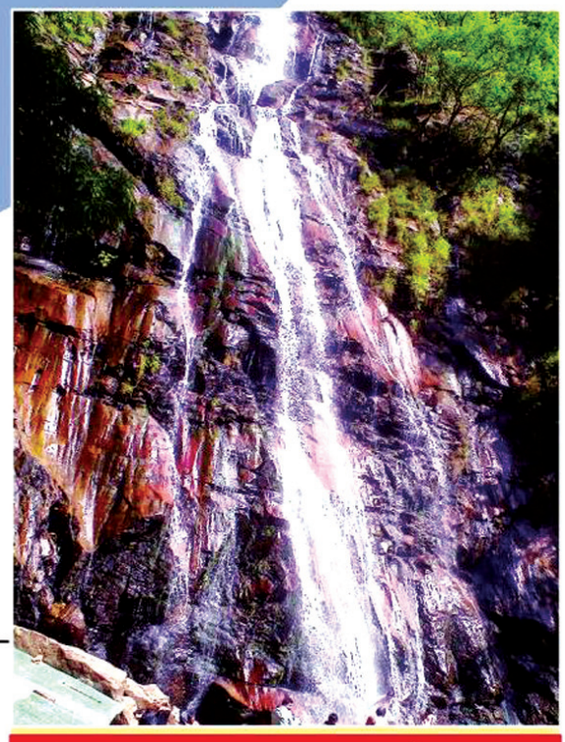

मध्य भारत का खूबसूरत पर्यटन स्थल

पचमढ़ी

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्य भारत का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां के हरे-भरे और शांत वातावरण में बहुत-सी नदियों और झरनों के गीत पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इसके साथ ही यहां शिवशंकर के कई मंदिर भी है, जो आपको तीर्थयात्रा का सुकून देते हैं। वैसे तो ऐसा बहुत कम होता है कि आप कहीं छुट्टी मनाने जाएं और लगे हाथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाए। लेकिन यकीन मानिए, अगर आप मध्यप्रदेश के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल पचमढ़ी जाएंगे, तो प्रकृति का भरपूर आनंद उठाने के साथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाएगी।

लोकप्रिय जलप्रपात

यहां आप कई जलप्रपात का मजा ले सकते हैं जिसमें रजत प्रपात, बी फॉल्स तथा डचेज फॉल्स सबसे लोकप्रिय हैं। इसका बी फॉल्स नाम इसलिए पड़ा है क्योंकि पहाड़ी से गिरते समय यह झरना बिलकुल मधुमक्खी की तरह दिखता है। यह पिकनिक स्पॉट भी है, जहां आप नहाने का भी मजा ले सकते हैं। रास्ते में आम के पेड़ बहुतायत में दिखते हैं। डचेज फॉल पचमढ़ी का सबसे दुर्गम स्पॉट है। यहां जाने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर पैदल तय करना पड़ता है। इसमें से 700 मीटर घने जगलों के बीच से और करीब 800 मीटर का रास्ता पहाड़ पर से सीधा ढलान का है।

महादेव का दूसरा घर पचमढ़ी

दरअसल, पचमढ़ी को कैलाश पर्वत के बाद महादेव का दूसरा घर कह सकते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भस्मासुर (जिसे खुद महादेव ने यह वरदान दिया था कि वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा और भस्मासुर ने यह वरदान खुद शिवजी पर ही आजमाना चाहा था) से बचने के लिए भगवान शिव ने जिन कंदाराओं और खोहों की शरण ली थी वह सभी पचमढ़ी में ही हैं। शायद इसलिए यहां भगवान शिव के कई मंदिर दिखते हैं। पचमढ़ी पांडवों के लिए भी जानी जाती है। यहां की मान्यताओं के अनुसार पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ काल यहां भी बिताया था और यहां उनकी पांच कुटिया या मढ़ी या पांच गुफाएं थीं जिसके नाम पर इस स्थान का नाम पचमढ़ी पड़ा है।

सतपुड़ा की रानी

पौराणिक कथाओं से बाहर आकर आज की बात करें तो मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी समुद्रतल से 1,067 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच होने और अपने सुंदर स्थलों के कारण इसे सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान का भाग होने के कारण यहां चारो ओर घने जंगल हैं। पचमढ़ी के जंगल खासकर जंगली भैंसे के लिए प्रसिद्ध हैं। इस स्थान की खोज कैप्टन जे. फॉरसोथ ने 1862 में की थी। पचमढ़ी की गुफाए पुरातात्विक महत्व की हैं क्योंकि इन गुफाओं में शैलचित्र भी मिले हैं। पचमढ़ी से निकलकर जब आप सतपुड़ा के घने जंगलों में जाएंगे तो आपको बाघ, तेंदुआ, सांभर, चीतल, गौर, चिंकारा, भालू आदि अनेक प्रकार के जंगली जानवर मिलते हैं।

ऐसे पहुंचे

अगर आप दिल्ली से जा रहे हैं तो आपको पहले भोपाल पहुंचना होगा। यहां से पचमढ़ी की दूरी 211 किलोमीटर है और यह दूरी तय करने के लिए बसें मिलती रहती हैं। ये 211 किलोमीटर अगर अपनी गाड़ी से तय करें तो अति उत्तम। वैसे पचमढ़ी का नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है जो कि पचमढ़ी से 52 किलोमीटर दूर है।

कहां ठहरें

मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण होटलों के मामले में पचमढ़ी बेहद समृद्ध है। यहां पंजाबी के अलावा जैन, गुजराती और मराठी व्यंजन भी आसानी से उपलब्ध हैं, क्योंकि साल में एक बार यहां मेला लगता है जिसमें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों की भागीदारी सबसे अधिक होती है। मध्यप्रदेश टूरिज्म के होटलों के अलावा यहां प्रायवेट होटल भी बहुतायत में हैं।

मनाली प्रकृति का अद्भूत नजारा

मनाली भारत के हिमाचल प्रदेश प्रान्त का एक शहर है। मनाली कुल्लु घाटी के उत्तर में स्थित हिमाचल प्रदेश का लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से 2050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मनाली व्यास नदी के किनारे बसा है। गर्मियों से निजात पाने के लिए इस हिल स्टेशन पर हजारों की तादाद में सैलानी आते हैं। सर्दियों में यहां का तापमान शून्य डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। आप यहां के खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के अलावा मनाली में हाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, कायकिंग जैसे खेलों का भी आनंद उठा सकते है। यहां के जंगली फूलों और सेब के बगीचों से छनकर आती सुगंधित हवाएं दिलो दिमाग को ताजगी से भर देती हैं।

अर्जुन गुफा

इस गुफा को देखने के लिए देशभर से सैलानी यहां आते हैं। यह गुफा पिरनी गांव में है। मान्यता है कि महाभारत काल में अर्जुन ने यहां ठहर करके पशुपति अस्त्र हासिल किया था।

नेहरू कुंड

रोहतांग मार्ग पर बना यह सुन्दर प्राकृतिक झरना मनाली से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां सुबह-शाम सैलानियों का जमावड़ा रहता है।

सोलंग घाटी

सोलंग घाटी मनाली से 13 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां बर्फ व ग्लेशियरों के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। स्कीइंग के लिए मशहूर यहां की ढलानों पर सैलानी इस खेल का खूब आनन्द लेते हैं।

आसपास के दर्शनीय स्थल

मनाली से कुछ दूरी पर है कुल्लू घाटी। यहां कलकल करती नदियां, पहाडियों से गिरते झरने, देवदार के घने वृक्ष कुल्लू घाटी के प्राकृतिक सौन्दर्य को बयां करते हैं। कुल्लू में ढेर सारे दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें प्रमुख हैं मणिकर्ण। यहां कुदरती गर्म पानी के चश्मे (झरने) हैं। मणिकर्ण की दूरी कुल्लू से 40 किलोमीटर है। मणिकर्ण से 30 किलोमीटर आगे बर्फ से ढका ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क है, जिसमें कलरव करते रंग-बिरंगे पक्षी, कस्तूरी मृग, तेंदुए तथा तीतर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा व्यास नदी के किनारे फलों के बागों की खूबसूरती देखते ही बनती है। 'कुल्लू' का दशहरा भी विश्व प्रसिद्ध है। यह त्योहार दशहरे के बाद शुरू होता है और करीब पन्द्रह दिन तक चलता है।

ऐसे पहुंचे

सड़क मार्ग

कुल्लू मनाली, दिल्ली से 600 किलोमीटर की दूरी पर है। यह शिमला से सीधे सड़क मार्ग से जुड़ा है। दिल्ली, शिमला व चंडीगढ़ से मनाली के लिए हिमाचल परिवहन निगम की बसें उपलब्ध हैं। साधारण किराया 480 रुपए, डीलक्स बस का किराया 850 रुपए है।

रेल मार्ग

यहां के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। निकटतम रेलवे स्टेशन चंडीगढ़ है। चंडीगढ़ से मनाली 260 किलोमीटर दूर है। आप शिमला होते हुए मनाली पहुंच सकते हैं। पिंजौर तक रेल द्वारा जाया जा सकता है। दिल्ली से कालका का किराया 150 रुपए है।

वायु मार्ग

कुल्लू मनाली वायु मार्ग द्वारा भी जाया जा सकता है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा भुयंक है, जो मनाली से 50 किलोमीटर दूरी पर है। हवाई जहाज का किराया लगभग 6000 रुपए है।

हिडिम्बा मंदिर

लकड़ी से बना हिडिम्बा मन्दिर मनाली का मुख्य आकर्षण है। चार मंजिल का यह मंदिर 1553 में बनाया गया था, जो भीम की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है। पूरे मंदिर में काष्ठ पर हिन्दू मिथकों से ली गई गाथाएं उकेरी गयी हैं। ढूंगरी वन विहार में स्थित इस मंदिर में मई के महीने में भव्य उत्सव होता है। मनाली से दो किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित पुराना मनाली भी पर्यटकों को मुग्ध कर देता है। यह स्थान गेस्ट हाउसों और फूलों के बागीचों के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर स्थित है मनु महर्षि मंदिर। मान्यता है कि आदिपुरुष मनु ने यहीं पर ध्यान लगाया था। मनाली में माल रोड से करीब चार किलोमीटर दूरी पर वशिष्ठ नामक एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है। इस गांव में मुनि वशिष्ठ और भगवान राम को समर्पित कई पुराने मंदिर हैं। यहीं पर ठंडे और गर्म चश्मे हैं, जहां आप भी स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा तिब्बती शरणार्थियों द्वारा 1960 में निर्मित गाधन थेकचोलिंग गोम्पा स्थित है। पारम्परिक गोम्पाओं की तरह चटख सुनहरे और लाल रंग से सजे इस बौद्ध मंदिर में शाक्य मुनि बुद्ध की प्रतिमा विराजमान है। गोम्पा की बाहरी दीवार पर तिब्बत में 1987 से 1989 के बीच चीनी कार्रवाई में मारे गए नागरिकों के नाम लिखे हुए हैं। दरअसल मनाली का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रा ही है। ज्यादातर लोग रोहतांग दर्रा की वजह से यहां आते हैं। यहां पर अक्तूबर से फरवरी के मध्य बर्फ पड़ती है। रोहतांग से लेह का राष्ट्रीय राजमार्ग भी छह महीने के लिए बन्द कर दिया जाता है, क्योंकि यहां मौसम पल-पल बदलता रहता है। बर्फ का लुत्फ उठाने के लिए सैलानी यहां पर आते हैं। गिरती हुई बर्फ को देख कर सैलानियों का मन आकाश की ऊंचाइयों को छूने लगता है।

एडवेंचर/ट्रैकिंग

मनाली न केवल प्राकृतिक दृश्यों के कारण पर्यटकों को बांधे रखने में सक्षम है, बल्कि यहां उपलब्ध एडवेंचर टूरिज्म के कारण बार-बार यहां आने का मन करता है। एक ओर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग लर्जी, कटरैन तथा कसौल में मछली के शिकार की सुविधा देता है तो वहीं रोहतांग-ला में आप माउन्टेन बाइकिंग का मजा ले सकते हैं। मई से मध्य जून, सितम्बर से मध्य अक्तूबर तक व्यास नदी में राफ्टिंग का लुफ्त लिया जा सकता है। अगर आप अधिक रोमांच चाहते हैं तो मनाली के उत्तर में सोलांग नल्ला बाहें पसारे आपका स्वागत करता है। यहां पर पर्वतारोहण, ट्रैकिंग के लिए भी ढेर सारी जगहें हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सपा और कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी और विपक्ष के 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) की सहयोगी कांग्रेस का गठबंधन बरकरार रहेगा। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। सपा द्वारा बुधवार को इनमें से छह सीटों के लिये उम्मीदवार घोषित किये जाने के बाद सपा और कांग्रेस के गठबंधन के बरकरार रहने को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच अखिलेश का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यादव ने इटावा के सैफई में अपने पिता मुलायम सिंह यादव की दूसरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कांग्रेस से गठबंधन जारी रहने की सम्भावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, आज समय नहीं है इस पर चर्चा का। मगर जहां तक इंडिया गठबंधन का सवाल है तो मैं कहना चाहूंगा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन रहेगा।

सीएम बनने को लेकर मची खींचतान बहुत बड़ी गलती थी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करने के बाद उसके नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि पार्टी को दक्षिणी हरियाणा क्षेत्र में अपनी विफलता का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब चुनाव होते हैं तो जीतना ही सबसे बड़ा लक्ष्य होता है और उस वक्त अगर सीएम पद की खींचतान मीडिया में आती है तो ये पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पहले जनादेश लीजिए और जनादेश के बाद आप दावा कीजिए कि सीएम कौन बनेगा और ये कोई अकेले तय नहीं कर सकता, ये विधायक तय करते हैं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मेरा मानना है कि कई मुद्दे हैं। मसला ईवीएम का भी है, हमने देखा कि कई जगहों पर 12 घंटे तक चलने के बाद भी जब मशीन को गिनती के लिए वापस लाया गया तो उसकी बैटरी 99 फीसदी थी। दूसरे, मम्मन खान (कांग्रेस विधायक) द्वारा दिया गया बयान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और उन्हें जनता से माफी मांगनी चाहिए।

हार के लिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा जिम्मेदार : मोहन लाल

चंडीगढ़। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के आश्चर्यजनक परिणाम से जुड़ी शिकायतों के बारे में निर्वाचन आयोग को अवगत कराया और इनकी जांच की मांग की है। पूरे मामले पर हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की हार के लिए हुड्डा (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) जिम्मेदार हैं। कांग्रेस उम्मीदवार बयानबाजी करेंगे। अगर आप कांग्रेस के हारे हुए प्रत्याशियों से पूछेंगे तो वे बताएंगे कि हुड्डा ने क्या किया है। नायब सिंह सैनी के फिर से सीएम बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह हमारा राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा। संभावना है कि जल्द ही इस पर फैसला होगा। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से यह आग्रह भी किया कि उन ईवीएम को जांच पूरी होने तक सील करके सुरक्षित रखा जाए, जिनको लेकर सवाल उठे हैं। आयोग से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, अशोक गहलोत, अजय माकन आदि शामिल थे।

पत्रकार के संगीन दावे से कांग्रेस में कलह मचना तय

नईदिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े ने कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल पर बड़ा चौंकाने वाला आरोप लगाया है। पत्रकार वानखेड़े ने टिकट वितरण में कास्टिंग काउच का आरोप लगाते हुए पूछा कि क्या आपके लिए हरियाणा राज्य अय्याशी का अड्डा बन गया है? एक वीडियो में वो ये कहते हुए सुने जा सकते हैं कि केसी वेणु गोपाल की है कोई महिला सहयोगी, अब महिला है तो समझ जाओ। उसको टिकट पूरा हरियाणा मना कर रहा था फिर भी दिया गया। केसी वेणुगोपाल को जवाब देना चाहिए कि क्यों उन्होंने उस महिला का नाम वहां प्रपोज किया था। पत्रकार ने कहा कि वो पार्टी महासचिव संगठन हैं और उन्हें ज्यादा चिंता अपने महिला मित्रों की थी। उन्हें कैसे टिकट दिलवाऊं। अब इस मामले में बीजेपी हमलावर हो गई है। बीजेपी मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अशोक वानखेड़े वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के खिलाफ कास्टिंग काउच के अपने आरोप पर कायम हैं। कांग्रेस पार्टी की चुप्पी आरोपों को वैधता प्रदान कर रही है।

असम में 58 लाख से अधिक ने ली भाजपा की सदस्यता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि राज्य में अब तक 58.11 लाख से अधिक लोगों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ली है। हिमंत ने बताया कि 88 विधानसभा क्षेत्रों के 40,000 से अधिक लोग भाजपा के सदस्य बने हैं, जिनमें से टेओक और टिटाबोर नये विधानसभा क्षेत्र हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पार्टी में 58.11 लाख नये सदस्यों के जुड़ने के साथ ही भाजपा की असम इकाई अपने निर्धारित लक्ष्य के 100 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है।'' हिमंत ने कहा, ''40,000 से अधिक सदस्यों को नामांकित करने में कड़ी मेहनत के लिए टिटाबोर और टेओक निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं को बधाई।'' भाजपा की सदस्यता का नवीनीकरण तथा नये सदस्यों को शामिल करने के लिए सितंबर के प्रारंभ में शुरू किया गया सदस्यता अभियान राज्य के सभी 126 विधानसभा क्षेत्रों में जारी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार पर कांग्रेस में मंथन

हुड्डा और सैलजा नहीं हुए शामिल, राहुल का चौकाना वाला दावा

नईदिल्ली। हरियाणा में कांग्रेस की हार ने पार्टी को परेशान कर रखा है। इसी को लेकर आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पार्टी की बड़ी बैठक हुई। इस बैठक में राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन और अन्य नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि हमने हरियाणा चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की। चुनाव नतीजे अभूतपूर्व थे। एग्जिट पोल और वास्तविक नतीजों में बहुत अंतर था। हमने तय कर लिया है कि हम आगे क्या करेंगे।

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि हम इस नुकसान को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। एग्जिट पोल में जनता एक सुर में कह रही थी कि कांग्रेस (हरियाणा में) सरकार बनाएगी। हमें इसकी जड़

तक जाने की जरूरत है। वहीं, सूत्रों का दावा है कि इस बैठक में राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा है कि नेताओं ने निजी हित को पार्टी से ऊपर रखा है। इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा के नहीं शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर माकन ने कहा कि जिनको बुलाया गया था, वो सभी आए थे। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम से जुड़ी शिकायतों के बारे में बुधवार को निर्वाचन आयोग को अवगत कराया था और इनकी जांच की मांग की थी।

मुख्य विपक्षी दल के वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने आयोग से यह आग्रह भी किया था कि उन इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को जांच पूरी होने तक सील करके सुरक्षित रखा जाए, जिनको लेकर सवाल उठे हैं। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को 'अप्रत्याशित' और 'लोक भावना के खिलाफ' करार देते हुए मंगलवार को कहा था कि इस जनादेश को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि राज्य में 'तंत्र की जीत और लोकतंत्र की हार' हुई है।

सीएम आतिशी को बंगला खाली करने का आदेश

विवाद गहराया, बंगले को सील कर दिया गया है

नईदिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को सिविल लाइंस स्थित बंगला खाली करने का आदेश दिया गया है, जिसमें दो दिन पहले ही उन्होंने रहने की शुरुआत की थी। यह वही बंगला है जिसमें पहले पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रहते थे। यह आदेश लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा जारी किया गया, जिसे आतिशी खुद देखती हैं।

इस घटना ने मुख्यमंत्री आवास से जुड़े विवाद को और गहरा कर दिया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि आतिशी ने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बंगले में प्रवेश किया था, जबकि पीडब्ल्यूडी का कहना है कि केजरीवाल से इस संपत्ति का औपचारिक ट्रांसफर अभी तक नहीं हुआ है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के अनुसार, अब बंगले को सील कर दिया गया है।

इस कदम को अभूतपूर्व बताते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा, देश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को अपना घर खाली करने को कहा गया है। एलजी ने बीजेपी के कहने पर जबरदस्ती मुख्यमंत्री आतिशी का सामान हटा दिया है। एलजी की ओर से मुख्यमंत्री आवास को एक बड़े बीजेपी नेता को आवंटित करने की तैयारी चल रही है। 27 साल से दिल्ली में सत्ता से बाहर बीजेपी अब मुख्यमंत्री आवास पर कब्जा करना चाहती है।

17 सितंबर को जमानत पर रिहा होने के बाद इस्तीफा देने वाले अरविंद केजरीवाल ने पिछले शुक्रवार को बंगला खाली किया था। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आतिशी

के पास बंगले की चाबियां हैं, लेकिन उनके पास आधिकारिक आवंटन पत्र नहीं है। सूत्रों के अनुसार, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी बुधवार सुबह बंगले पहुंचे और दोपहर तक आतिशी से चाबियां वापस ले लीं।

यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री आवास विवादों में आया है। पिछले साल, केजरीवाल और उनकी पार्टी पर बीजेपी और कांग्रेस ने इस बंगले के पुनर्निर्माण में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। यह घर 2015 में केजरीवाल को आवंटित किया गया था और 2020-21 में इसका पुनर्निर्माण हुआ था। पुनर्निर्माण में अनियमितताओं और लागत बढ़ोतरी के आरोपों के बाद सतर्कता विभाग (विजिलेंस डिपार्टमेंट) ने जांच शुरू की, जिसमें 10 पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई। इसके अलावा, इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो भी कर रही है।

इससे जुड़े एक घटनाक्रम में, सतर्कता निदेशालय ने मंगलवार को मुख्यमंत्री के विशेष सचिव समेत तीन अधिकारियों को शो-कॉज़ नोटिस जारी किया। इन अधिकारियों पर पीडब्ल्यूडी के निर्देशों के बावजूद बंगले की चाबियां न सौंपने का आरोप है। केजरीवाल के कैंप कार्यालय में काम करने वाले दो अनुभाग अधिकारियों को भी नोटिस भेजा गया है। इन सभी अधिकारियों को नोटिस का जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है।

बंगला खाली करते वक्त आम आदमी पार्टी की ओर से जो फोटो साझा किए गए उसमें साफ तौर पर यह दिखाया गया है कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता बंगले की चाबी को एक अधिकारी को सौंप रही हैं। लेकिन दावा किया जा रहा है की चाबी सौंपने के कुछ समय बाद ही वापस ले ली गई और पीडब्ल्यूडी को पूरी तरह से हैंडोवर नहीं किया गया। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली एलजी को यह समझना होगा कि दिल्ली में चुनाव जीतना सीएम आवास में रहने की बुनियादी न्यूनतम आवश्यकता है। बीजेपी 27 साल से दिल्ली में जीत नहीं पाई है और वे चुनी हुई आप सरकार की शक्तियां छीनने, चुनी हुई सरकार का काम रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं और अब वे सीएम आवास छीनकर किसी भाजपा नेता को देना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा की महिला विरोधी मानसिकता एक बार फिर सबके सामने है। उन्होंने नवरात्रि के दौरान एक महिला मुख्यमंत्री का सामान बाहर फेंक दिया।

उमर अब्दुल्ला चुने गए विधायक दल के नेता

नेशनल कॉन्फ्रेंस को मिला 4 निर्दलीय विधायकों का समर्थन

श्रीनगर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित करने के बाद, चार निर्दलीय विधायक गुरुवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन में शामिल हो गए। एनसी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल का प्रमुख चुना गया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि विधायक दल की एक बैठक हुई जहां सभी ने सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को अपना नेता चुना। उन्होंने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन सहयोगियों की एक बैठक शुक्रवार को होगी।

उमर अब्दुल्ला ने कहा क आज नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक दल की बैठक में मुझे विधायक दल का नेता चुना गया है। मैं विधायकों का आभार व्यक्त करता हूं। कांग्रेस से समर्थन पत्र लेने के लिए

बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि 4 निर्दलीय विधायकों ने भी नेशनल कॉन्फ्रेंस को अपना समर्थन दिया है। अब एनसी की संख्या 42 प्लस 4 निर्दलीय विधायक हैं। कांग्रेस का पत्र मिलने के बाद हम राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े के साथ 42 सीटें जीती हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस की सहयोगी कांग्रेस को छह सीटें मिली हैं। हालाँकि, 4 स्वतंत्र विधायकों के समर्थन से, एनसी को अपने दम पर बहुमत मिल गया है और वह कांग्रेस पर भरोसा करने के लिए बाध्य नहीं है। एनसी को निर्दलीय विधायकों के समर्थन ने गठबंधन में कांग्रेस पार्टी की सौदेबाजी की शक्ति को भी कम कर दिया है।

इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे साबित करते हैं कि जम्मू-कश्मीर के ज्यादातर लोग पूर्ववर्ती राज्य के विशेष दर्जे को समाप्त करने के केंद्र सरकार के फैसले के पक्ष में नहीं हैं। उमर ने यहां पीटीआई वीडियो से कहा, ''यह (जनादेश) स्पष्ट रूप से उस फैसले के पक्ष में नहीं है। अगर ऐसा होता, तो भाजपा जीत जाती। जम्मू-कश्मीर के ज्यादातर लोगों ने पांच अगस्त 2019 के कदम का समर्थन नहीं किया है। यह एक सच्चाई है। हमसे परामर्श नहीं किया गया और हम उस फैसला का हिस्सा नहीं थे। लेकिन अब हम आगे बढ़ेंगे और देखेंगे कि हम क्या कर सकते हैं।''

खेल
प्रमुख समाचार

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने ठोंकी दूसरी सबसे तेज तिहरा शतक

मुल्तान। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक का कमाल मुल्तान में देखने को मिला। 2004 में ऐसी ही सुनामी पाकिस्तान के खिलाफ इसी मैदान पर भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बल्ले से आई थी। उन्होंने भी टेस्ट मैच में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ तिहरा शतक जड़ा था और अब हैरी ब्रूक ने पाकिस्तान के खिलाफ ट्रिपल सेंचुरी जड़ने का कीर्तिमान स्थापित किया है। हैरी ब्रूक की ये ट्रिपल सेंचुरी टेस्ट में दूसरी सबसे तेज ट्रिपल सेंचुरी है। वहीं, 34 साल के बाद इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज ने इस फॉर्मेट में तिहरा शतक जड़ा है।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार किसी बल्लेबाज ने साल 1990 में टेस्ट क्रिकेट में ट्रिपल सेंचुरी जड़ी थी। ग्राहम गूच ने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर 333 रनों की पारी खेली थी। अब 34 साल के बाद हैरी ब्रूक इस जादुई आंकड़े तक पहुंचे हैं। इसके अलावा आखिरी बार किसी बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने पाकिस्तान के ही खिलाफ नवंबर 2019 में ठोका था। दाएं हाथ के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने करियर का पहला तिहरा शतक जड़ा। पाकिस्तान के खिलाप दूसरी बारी किसी बल्लेबाज ने इस मैदान पर तिहरा शतक जड़ा है। 311 गेंदों में हैरी ब्रूक ने ट्रिपल सेंचुरी पूरी की है। इसके साथ ही हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक जड़ने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले लियोनार्ड ह्यूटन (364), वैरी हैमंड (336*), ग्राहम गूच (333), एंडी सैंडम (325) और जॉन एडरिच (310*) ने ये कमाल किया था। हैरी ब्रूक ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में शतक पूरा करने के मामले में कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। वे सिर्फ वीरेंद्र सहवाग से पीछे हैं। सहवाग ने 278 गेंदों में साउथ अफ्रीका के खिलाफ तिहरा शतक जड़ा था, जबकि हैरी ब्रूक ने 310 गेंदों में तिहरा शतक पूरा किया है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 144 अंक चढ़ा, निफ्टी 25 हजार के करीब पंहुचा

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हरे निशान में बंद हुआ। एशियाई बाजारों में पॉजिटिव रुख और अमेरिकी केंद्रीय बैंक की तरफ से एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 81,832.66 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान 81,832.66 से 82,002.84 अंक के बीच झूलने के बाद सेंसेक्स अंत में 144.31 अंक या 0.18 प्रतिशत चढ़कर 81,611.41 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.07 प्रतिशत या 16.50 अंक की बढ़त लेकर 25 हजार के करीब 24,998.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 2.32 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ। इसके अलावा सनफार्मा, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, टाइटन, एलऐंडटी और टीसीएस के शेयर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे।

फोर्ब्स की सूची में मुकेश अंबानी फिर शीर्ष स्थान पर

नईदिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने 2024 फोर्ब्स की 100 सबसे अमीर भारतीय उद्योगपतियों की सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। फोर्ब्स ने बताया कि इस साल भारत के शीर्ष 100 सबसे धनी लोगों की सामूहिक कुल संपत्ति पहली बार एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है। यह तब हुआ जब मुकेश अंबानी ने रिलायंस निवेशकों के लिए दिवाली उपहार के रूप में बोनस शेयर की घोषणा की। फोर्ब्स के अनुसार, मुकेश अंबानी डॉलर के मामले में दूसरे सबसे बड़े लाभार्थी थे, जिनकी संपत्ति पिछले एक साल में 27.5 बिलियन डॉलर बढ़कर 119.5 बिलियन डॉलर हो गई। उनकी वर्तमान कुल संपत्ति 108.3 बिलियन डॉलर है, जो उन्हें दुनिया का 13वां सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है।

भारत या विश्व में कभी भी 7% की वृद्धि के साथ ब्याज दरों में कटौती नहीं हुईः एसबीआई

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7 प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान लगाए जाने के बाद, भारतीय स्टेट बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐतिहासिक रूप से इतनी उच्च वृद्धि के साथ ब्याज दरों में कटौती भारत या विश्व स्तर पर शायद ही कभी हुई हो। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इससे एक दिलचस्प सवाल उठता है कि क्या आरबीआई विकास की वर्तमान गति के अनुरूप आगामी ब्याज दरों में कटौती के लिए आधार तैयार कर रहा है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है, शायद ब्याज दरों में कटौती के साथ 7% की वृद्धि भारत या विश्व के इतिहास में कभी नहीं हुई है। रिपोर्ट में यह दिलचस्प संभावना जताई गई है कि आर्थिक विकास में मजबूत गति के बावजूद आरबीआई ब्याज दरों में कटौती की तैयारी कर रहा है।

पांच साल में 57% बढ़ गई ग्रामीणों की आमदनी!

नई दिल्ली। गांवों में रहने वाले गृहस्थों की आमदनी लगातार बढ़ ही रही है। पिछले पांच साल में ही गांव में रहने वाले परिवारों की औसत मासिक आमदनी में 57.6 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसका खुलासा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के एक हालिया सर्वेक्षण से हुआ है। नाबार्ड के दूसरे अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण 2021-22 में पाया गया कि गांव वालों की आमदनी में बढ़ोतरी ही हो रही है। इनकी औसत मासिक आमदनी साल 2016-17 में 8,059 रुपये थी। यह साल 2021-22 में बढ़ कर 12,698 रुपये हो गई है। मतलब कि पांच साल में आय 57.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी। नाबार्ड ने कहा है, पांच साल की अवधि के दौरान परिवारों की औसत मासिक आय 2016-17 में 8,059 रुपये से 2021-22 में 12,698 रुपये तक 57.6 प्रतिशत बढ़ी है।

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

प्रह्लाद सबनानी

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोधन कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी।

विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में

भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्ध 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अधिक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे।

इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्धिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है।

ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं।

क्रमशः ...

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर स्थित नए निवास से शुरू किया कामकाज, कहा-

यह प्रदेश की 3 करोड़ जनता का निवास, जनहित के लिए सदैव खुले हैं दरवाजे

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर स्थित नए मुख्यमंत्री निवास से गुरुवार को अपने काम-काज की शुरुआत की. इस बात की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह प्रदेश की 3 करोड़ जनता का निवास है, जिसके दरवाजे जनहित के लिए सदैव खुले हैं.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के औपचारिक तौर पर नए निवास से कामकाज शुरू करने से पहले इसके पहले मुख्यमंत्री सचिवालय के अधिकारियों सचिव दयानंद, राहुल भगत, बसव राजू, ओएसडी उमेश अग्रवाल ने उनका स्वागत किया.

आज नया रायपुर स्थित नए मुख्यमंत्री निवास में विधिवत रूप से काम-काज की शुरुआत की।

बता दें कि इसके पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवरात्रि के पावन अवसर पर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर नवा रायपुर में नवनिर्मित नए मुख्यमंत्री निवास में गृहप्रवेश किया था. मुख्यमंत्री ने अपनी धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय के साथ मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच पूजा-अर्चना की. इसके साथ उन्होंने अपनी माता जसमनी देवी से आशीर्वाद ग्रहण कर गृह प्रवेश किया.

इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका उनकी धर्मपत्नी रानी डेका काकोटी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस सहित अनेक विधायक और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे.

छत्तीसगढ़ सरकार को मिला टैक्स का 6 हजार 70 करोड़

रायपुर. केंद्र सरकार की तरफ से छत्तीसगढ़ को टैक्स हस्तांतरण के तहत 6,070 करोड़ रुपए दिया गया है. इसे लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने अपने सोशल मीडिया हैडल (एक्स) पर इस स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया है. उन्होंने लिखा- छत्तीसगढ़ राज्य को कर हस्तांतरण के तहत 6,070 करोड़ रुपए स्वीकृत करने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी का हार्दिक आभार. त्योहारों के उपलक्ष्य में यह राशि मोदी सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को मिला अनुपम उपहार है. निश्चित ही इस राशि से वित्तीय संसाधनों को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जो विकास परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने में सहायक सिद्ध होगी, साथ ही जनकल्याण के कार्यों में भी तेजी आएगी. डबल इंजन की हमारी सरकार छत्तीसगढ़ में निरंतर प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही है. छत्तीसगढ़ राज्य को कर हस्तांतरण के तहत 6,070 करोड़ रुपए स्वीकृत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का हार्दिक आभार।

डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में अगले साल से मनाया जाएगा श्रीराम विजय दिवस

रायपुर। डब्ल्यूआरएस कॉलोनी दशहरा उत्सव आयोजन समिति का यह अंतिम आयोजन होगा और इसके बाद अगले साल से यहां पर दशहरा के दिन श्रीराम विजय दिवस के रुप में मनाया जाएगा। इस साल डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के दशहरा मैदान में 101 फीट का रावण व 70-70 फीट के मेघनाथ व कुंभकरण के पुतले का दहण किया जाएगा। इससे पहले रामलीला का आयोजन होगा और उसके बाद भव्य आतिशबाजी की जाएगी। पत्रकारों से चर्चा करते हुए रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा, डब्ल्यूआरएस नेशनल क्लब के जी. स्वामी ने बताया कि इस वर्ष मुख्य अतिथि के रुप में महामहिम राज्यपाल श्री रमेन डेका के साथ अध्यक्षता करेंगे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साव, विशेष अतिथि के रुप में प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, प्रदेश के मंत्रिमंडल के सहयोगी मंत्रीगण, रायपुर विधानसभा के चारों विधायकगण और रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित रहेंगे। डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में मनने वाला दहशरा उत्सव पूरे छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा उत्सव माना जाता है.

चंदखुरी में स्थापित होगी ग्वालियर के मिंट सैंडस्टोन से बनी भगवान राम की नई प्रतिमा

2 टन के 14 पत्थरों को जोड़कर दिया जा रहा आकार

रायपुर। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजय दशमी का पर्व 12 अक्टूबर को पूरे देश में मनाया जाएगा। विजय दशमी के ठीक पहले छत्तीसगढ़ में स्थित भगवान राम का ननिहाल कहे जाने वाले चंदखुरी कौशल्या माता धाम में राम वनगमन पथ में लगी भगवान राम की 51 फीट ऊंची प्रतिमा को बदलने की तैयार की जा रही है। ग्वालियर के रहने वाले मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा भगवान राम की इस नई प्रतिमा को बना रहे हैं।

ग्वालियर के मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा ने बताया कि चंदखुरी में लगने वाली भगवान राम की नई प्रतिमा ग्वालियर के मिंट सैंडस्टोन से बन रही है। छत्तीसगढ़ के सीता रसोई और शिवरीनारायण में जो प्रतिमा लगी है, वो भी ग्वालियर से ही बनी है। इस प्रतिमा को बनने में कम से कम 2 से ढाई महीने का वक्त लगेगा। मूर्तिकार दीपक विश्वकर्मा बताते हैं कि मैं 12 साल की उम्र से प्रतिमा बनाने का काम कर रहा हूं और मुझे कई राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। पीसीएल कंपनी के द्वारा मुझे इसके लिए कहा गया है। ठेकेदार राजकिशोर ही इसका खर्चा

उठा रहे हैं। हमारा संपर्क उनसे हुआ है। उन्होंने हमें बताया है कि इस तरीके की कलाकृति हमें चाहिए। सीतामढ़ी हरिचौका में जो प्रतिमा लगी है उसकी ऊँचाई 27 फीट है और शिवरीनारायण में 25 फीट की प्रतिमा लगी है। अब जो प्रतिमा बन रही है वो 51 फीट की होगी।

यह है मूर्ति की खासियत-

सैंडस्टोन पत्थर से बन रही भगवान राम की नई प्रतिमा।
51 फीट की भगवान की प्रतिमा।
ग्वालियर के शिल्पकार दीपक विश्वकर्मा बना रहे हैं प्रतिमा।
ग्वालियर मिंट सैंडस्टोन पर बन रही नई प्रतिमा।
2 टन के 14 पत्थरों को जोड़कर दिया जा रहा आकार।
ग्वालियर के पहाड़ों से मंगवाए जा रहे पत्थर।
2 महीने में तैयार हो जाएगी भगवान राम की प्रतिमा।
74 से 78 लाख रुपए आएगा खर्चा।
चेहरा तैयार, हाथ-पैर की नक्काशी बाकी।

पुरानी प्रतिमा को लेकर हुई थी जमकर राजनीति

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कौशल्या माता धाम में लगी प्रतिमाको लेकर जमकर राजनीति और आरोप-प्रत्यारोप भी हुए हैं। भाजपा ने आरोप लगाए थे कि राम वन गमन पथ में जिन स्थानों को शामिल किया गया है, उनका उल्लेख आज तक हुए शोध में कहीं नहीं है। राम वन गमन योजना के तहत भगवान श्रीराम की जो प्रतिमा बनाई गई हैं, वे विकृत बनाई गई हैं। कांग्रेस नेताओं ने अपने लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए राम वन गमन पथ योजना का रोड मैप बनाया है। योजना के तहत उन स्थानों का विकास किया गया, जहां कांग्रेस नेताओं और उनसे जुड़े हुए लोगों की संपत्ति है। ऐसे कई आरोप पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय लगे थे।

लोगों की आस्था पर राजनीति नहीं होनी चाहिए-श्रद्धालु

गौरतलब है कि चंदखुरी में माता कौशल्या धाम का दर्शन करने रोजाना हजारों लोग पहुंचते हैं। यहां के पंडित बताते हैं कि भगवान राम की प्रतिमा को बदलने की चर्चा काफी दिनों से सुनाई दे रही है, लेकिन अब तक इसे नहीं बदला गया है। वहीं कौशल्या माता धाम में दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान राम कीप्रतिमा अगर विकृत है, तो उसे बदल देना चाहिए। अगर सही है, तो उसे वही रहना चाहिए। भगवान राम लोगों की आस्था का विषय है। इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

धान खरीदी 1 नवंबर से शुरू किया जाये तथा लक्ष्य भी 200 लाख मीट्रिक टन तय हो: बैज

रायपुर। कांग्रेस ने मांग किया है कि धान खरीदी 1 नवंबर से घोषित किया जाये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में अमूमन 1 नवंबर से धान की खरीदी शुरू होती है। इस बार बारिश अच्छी हुई है, फसल भी अच्छी है अत: पैदावार अधिक होने की संभावना है इसलिये सरकार इस वर्ष धान खरीदी 1 नवंबर से चालू करे तथा खरीदी का लक्ष्य भी बढ़ाकर 200 लाख मीट्रिक टन किया जाये ताकि किसानों की पूरी पैदावार की सरकार खरीदी कर सके।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी के लिये सरकार के द्वारा बनाई गई मंत्रीमंडलीय उपसमिति ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है जिसके कारण किसानों में चिंता की लहर है। सरकार यदि 1 नवंबर से धान की खरीदी करती है तो उसके लिये अभी से तैयारी करनी पड़ेगी तभी धान खरीदी सुचारू रूप से हो पायेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले वर्ष खरीफ फसल 2023 के धान की खरीदी के दौरान ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ गई थी। कांग्रेस की सरकार के सुशासन के कारण प्रदेश के किसानों के द्वारा इतिहास का सर्वाधिक धान उत्पादन किया गया। इसीलिए समर्थन मूल्य पर अब तक की सर्वाधिक 144 लाख 92 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई। जो अनुमानित मात्रा 130 लाख मीट्रिक टन से 15 लाख मीट्रिक टन अधिक थी। राज्य सरकार द्वारा धान की इस मात्रा के भंडारण, मिलिंग तथा चावल के उपार्जन एवं भंडारण की कोई कार्ययोजना नहीं बनाई गई। भारतीय जनता पार्टी की लचर सरकार के कुशासन के कारण इस संपूर्ण धान की न तो समय पर मिलिंग हुई और न ही खरीदी केन्द्रों तथा संग्रहण केन्द्रों पर बचे हुए धान की सुरक्षा एवं रखरखाव की समुचित व्यवस्था की गई। इसका दुष्परिणाम यह हुआ है कि सितंबर 2024 की स्थिति में धान खरीदी केन्द्रों से 4 लाख 16 हजार 410 क्विंटल धान का उठाव तथा संग्रहण केन्द्रों से 21 लाख 77 हजार 470 क्विंटल धान का उठाव नहीं किया जा सका है। खरीदी केन्द्रों पर जो 4 लाख 16 हजार 410 क्विंटल धान शेष दिख रहा है वह पूरी तरह से नष्ट हो चुका है, इस धान की कुल लागत 166 करोड़ 56 लाख रूपये होती है। यह शुद्ध रूप से राष्ट्रीय क्षति है। संग्रहण केन्द्रों में शेष धान 21 लाख 77 हजार 470 क्विंटल की कुल लागत 870 करोड़ 99 लाख रूपये होती है, इसमें से भी अधिकांश धान पानी से डैमेज हो चुका है.

कोयला घोटाला मामला: आरोपी मनीष व रजनीकांत के खिलाफ 2 हजार पन्नों का पूरक चालान पेश

रायपुर. छत्तीसगढ़ कोयला घोटाले में विशेष जांच दल ने (गुरुवार) को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में दो आरोपी मनीष उपाध्याय और रजनीकांत तिवारी के खिलाफ पूरक चालान पेश किया. इस चालान में 2000 पन्नों की विस्तृत रिपोर्ट, 25 पन्नों की सारांश और एक पेन ड्राइव शामिल है. मामले की अगली सुनवाई 5 दिसंबर को होगी. आरोपी मनीष उपाध्याय और रजनीकांत तिवारी के खिलाफ अवैध कोल लेवी वसूली के आरोप में धारा 120B, 384, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7, 7A, 12 के तहत कार्रवाई की गई है. उल्लेखनीय है कि रजनीकांत तिवारी, सूर्यकांत तिवारी का बड़ा भाई है, जो पहले से जेल में बंद है. ACB-EOW ने अपने चालान में बताया कि मनीष और रजनीकांत कोयला घोटाले के सिंडिकेट का हिस्सा थे और अवैध वसूली के पैसे को इकट्ठा कर अन्य सदस्यों तक पहुंचाते थे. जांच के दौरान, टीम को कोल घोटाले से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी मिले हैं. अवैध कमाई का निवेश चल और अचल संपत्तियों में किया गया है, और दोनों आरोपियों के अन्य घोटालेबाजों से गहरे संबंध पाए गए हैं. छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी में 570 करोड़ रुपये की अवैध कोल लेवी वसूली का खुलासा हुआ था. ईडी का दावा है कि खनिज विभाग के तत्कालीन संचालक आईएएस समीर बिश्नोई ने 15 जुलाई 2020 को आदेश जारी कर कोल परिवहन में ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन कर दिया था,

जिससे व्यापारियों से वसूली की जा सके. वहीं इस घोटाले का मास्टरमाइंड कोल व्यापारी सूर्यकांत तिवारी को माना गया है, जिसपर ED के अनुसार निलंबित उपसचिव सौम्या चौरसिया का हाथ था. ईडी के मुताबिक सूर्यकांत तिवारी ने 25 रुपये प्रति टन के हिसाब से अवैध रकम वसूलने के लिए एक सिंडिकेट बनाया था. व्यापारियों से अवैध रकम वसूलने के बाद ही उन्हें खनिज विभाग से पीट पास और परिवहन पास जारी किए जाते थे.

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

भाजपा सरकार का भ्रष्टाचार सड़कों पर दिख रहा - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भाजपा के राज में भ्रष्टाचार की जड़े इतनी गहरी हो गयी हैं कि सरकार का भ्रष्टाचार अब सड़को पर भी दिखने लगा है। परिवहन विभाग ने जबरिया सार्वजनिक उगाही शुरू कर दी है। उच्च पदस्थ सत्ताधीशो के संरक्षण के कारण वसूली बाज अधिकारी इतने निडर और निरंकुष हो गये है कि वसूली के लिये किराये के लठैत भी रखे हुये है। लगभग सभी आर.टी.ओ. अस्थाई चेक पोस्ट बना कर आधा दर्जन से अधिक लठैत हाथों मे लाठियां लेकर वाहनो को रोकते दिख जायेंगे। इन लठैतो की नियुक्ति वेतन आदि की व्यवस्था चेक पोस्ट पर तैनात अधिकारी अपने स्तर पर करते है। रायपुर आर.टी.ओ. ने तो अनुपम नगर में अवैध कार्यालय भी खोल लिया है जहां वसूली की राशि का बंटवारा होता है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भयादोहन कर अवैध वसूली का आलम यह है कि राजधानी रायपुर से बिलासपुर तक के 115 किलोमीटर की दूरी तय करने में एक ट्रक को 5 स्थानों पर परिवहन विभाग (आर.टी.ओ.) और ट्रेफिक को इन्ट्री के रूप में अवैध राशि देनी पड़ती है। इस मार्ग में रायपुर आर.टी.ओ. उड़नदस्ता (उरला सिलतरा क्षेत्र में) रायपुर आर.टी.ओ. बैरियर सिमगा, दुर्ग आर.टी.ओ. (नांदघाट पुल के आगे) बिलासपुर आर.टी.ओ. (नारायणपुर) बिलासपुर ट्रेफिक पुलिस (चकरभाठा) में कैंप लगाकर ट्रकों को रोक कर वसूली करते परिवहन विभाग के अधिकारी और लठैत दिख जायेंगे।

भाजपा की सरकार मितानिनों को हटाकर नई भर्ती करने की साजिश कर रही

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार प्रदेश के हजारों मितानिनों को नौकरी से हटाकर उनके स्थान पर नई अनट्रेंड लोगों को भर्ती करने की साजिश कर रही है। उनके स्थान पर भाजपा से जुड़ी महिलाओं को नई नियुक्ति देने की साजिश कर रही है। सरकार के इस कदम से प्रदेश में स्वास्थ्य कार्यक्रम चौपट होगी ही साथ मे 5500 से अधिक महिलाएं बेरोजगार हो जायेगी। प्रदेश में 5500 से अधिक मितानिन 19 साल से गर्भवती एवं बच्चों की स्वास्थ्य की देखभाल कर रही है। नेशनल स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत नियुक्त संविदा डॉक्टर नर्स और अन्य कर्मचारियों मितानिनों को बीते दो माह से वेतन नहीं मिला है। सीजीएमसी के माध्यम से 800 करोड़ रुपए की दवा खरीदी की गई थी उसका भी भुगतान नहीं हुआ है। सरकारी अस्पताल,प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में दवाइयां मरीजों को जरूरी मिल नहीं रहा है।प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में शुरू हुई मितानिन कार्यक्रम देश में आशा वर्कर के रूप में चल रहा है। भाजपा की सरकार इस कार्यक्रम में अनिमियता का आरोप लगाकर इन मितानिनों को बेदखल करने जा रही है। प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था वैसे ही लड़खड़ाई हुई है

नॉन प्रैक्टिसिंग एलाउंस लेने वाले चिकित्सकों की सूची

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल पर स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक अहम निर्णय लिया है। अब आमजन शासकीय चिकित्सा शिक्षा महाविद्यालयों के चिकित्सकों और चिकित्सा शिक्षकों की नॉन प्रैक्टिसिंग एलाउंस (एनपीए) लेने वाली सूची को ऑनलाइन देख सकेंगे। यह जानकारी चिकित्सा शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.cgdme.in पर उपलब्ध है। बता दें कि ऐसे चिकित्सक एवं चिकित्सा शिक्षक जो निजी प्रैक्टिस नही करते हैं उन्हें शासन द्वारा वेतन के अतिरिक्त नॉन प्रैक्टिसिंग एलाउंस (एनपीए) भी दिया जाता है। एनपीए लेने के बाद भी निजी प्रैक्टिस करना प्रतिबंधित है और ये नियम विरुद्ध है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य विभाग ने जनहित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है, ताकि मरीजों और आम नागरिकों को यह जानकारी मिल सके कि किस चिकित्सक से परामर्श लिया जा सकता है।

गरियाबंद एसपी बने डीआईजी कांकेर, सुकमा एसपी संभालेंगे गरियाबंद

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने गरियाबंद के एसएसपी अमित तुकाराम कांबले को कांकेर का डीआईजी नियुक्त किया है। उनकी जगह भारतीय पुलिस सेवा के 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी निखिल राखेचा को गरियाबंद का नया एसपी बनाया गया है। गृह (पुलिस) विभाग ने इसका आदेश जारी किया है। बता दें कि 2009 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कांबले डीआईजी प्रमोशन के बाद भी गरियाबंद जिले का प्रभार संभाल रहे थे। वहीं निखिल राखेचा सुकमा एसपी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 8 दिसंबर को होगा फाइनल मैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर क्रिकेट खेलते दिखेंगे। सचिन तेंदुलकर एक नई लीग इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में इंडिया के लिए कप्तानी करेंगे। सचिन ही नहीं ब्रायन लारा, शेन वॉट्सन और जॉन्टी रॉड्स जैसे कई स्पोर्ट्स लीजेंड रायपुर पहुचेंगे।

बोरियाखुर्द में तीसरे वर्ष भी होगा 55 फीट के रावण के पुतले का दहन

रायपुर। आज गांव से शहर तक चारों ओर आदिशक्ति मां दुर्गा की पूजा अर्चना और गरबा नृत्य की धूम है और दशहरा उत्सव की तैयारी भी जोरों पर हैं। रायपुर ग्रामीण के बोरियाखुर्द में तृतीय वर्ष भी शनिवार को दशहरा उत्सव मनाया जाएगा जहां 55 फीट ऊंचे रावण व 40-40 फीट ऊंचे कुंभकरण और मेघनाथ के पुतले का दहन किया जाएगा। रावण दहन के लगभग 1 से डेढ़ घंटे तक चलने वाले रोमांचकारी आतिशबाजी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा तथा रात्रि छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी, यह कार्यक्रम स्वर्णा, गरिमा दिवाकर समूह द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। दशहरा सांस्कृतिक महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेंद्र तिवारी जी, कार्यकारी अध्यक्ष लच्छुराम राम निषाद, संरक्षक एन.के. शुक्ला, रामधार साहू, रामजी साहू, मनहरण साहू, सचिव श्री रुद्र कुमार साहू ने संयुक्त पत्रकारवार्ता में बताया कि दशहरे के दिन ही प्रातः 10 बजे से बच्चों एवं युवाओं के लिए निशुल्क पतंगबाजी एवं दोपहर 3,30 बजे से नगर के बच्चों एवं महिलाओं द्वारा छत्तीसगढ़ी पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

विभागीय मंत्री और सचिव ने छह माह के कारोबार की समीक्षा के बाद बदले आबकारी विभाग के कई अफसर

रायपुर। आबकारी विभाग के विभागीय मंत्री और सचिव ने छह माह के कारोबार की गहन समीक्षा के बाद कल देर रात आबकारी विभाग के 34 उपायुक्त, सहायक आयुक्त और जिला आबकारी अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए। खास बात यह है कि तबादले से प्रभावित अफसरों के अदालत जाने की संभावनाओं को देखते हुए सरकार ने केवियेट भी दायर कर दिया है।

जिन आबकारी अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। उनमें उपायुक्त अरविंद कुमार पाटले, जगदलपुर से आबकारी आयुक्त कार्यालय रायपुर, प्रमोद कुमार नेताम सहायक आयुक्त उडन दस्ता से बेमेतरा, यदुनंदन राठौर दुर्ग से नांदगांव, विकास कुमार गोस्वामी रायपुर से उपायुक्त उडनदस्ता अंबिकापुर, राजेश जायसवाल दुर्ग से मुंगेली, श्रीमती मंजू श्री कसेर, एजीएम मार्केटिंग कॉर्पोरेशन रायपुर,

दिनकर वासनिक बिलासपुर से आबकारी आयुक्त कार्यालय, आशीष कोशम एजीएम मार्केटिंग कॉर्पोशन रायपुर से उपायुक्त आबकारी जगदलपुर, सौरभ बक्शी कोरबा से रायपुर आबकारी कार्यालय, प्रकाश पाल मुंगेली से राज्य स्तरीय उडनदस्ता कार्यालय रायपुर, रामकृष्ण मिश्रा रायगढ़ से उपायुक्त अधिकारी कार्यालय रायपुर, अलेख राम सिदार कोंडागांव से जांजगीर चांपा, प्रवीण वर्मा जांजगीर से मनेन्द्रगढ़, नवनीत तिवारी सरगुजा से बिलासपुर, रमेश कुमार सिन्हा गोदाम प्रभारी से खैरागढ़, किस्ट्रोफर खलको कांकेर से रायगढ़, डिकेश देवांगन खैरागढ़ से कोंडागांव, रतन सिंह नागेश बस्तर से नारायणपुर, गजेन्द्र कुमार सिंह कोरिया से बलौदाबाजार, आशा सिंह कबीर धाम से कोरबा, लक्ष्मीकांत गायकवाड़ बलौदाबाजार-भाटापारा से सरगुजा, जिला आबकारी अधिकारी रघुवर सिंह राठौर बीजापुर से गरियाबंद, इकबाल अहमद खान दंतेवाड़ा, चंद्रहास यदु बस्तर, सीआर साहू बेमेतरा से दुर्ग, योगेश्वर कुमार द्विवेदी परीक्षावधि रायगढ़ से कोरिया, अभिषेक तिवारी परीक्षावधि, कोरबा से बीजापुर, दीपक कुमार ठाकुर जांजगीर-चांपा से सुकमा, अजय कुमार धुर्वे सक्ती से कबीरधाम, रविशंकर साय बिलासपुर, एमके मयानी दंतेवाड़ा से दुर्ग, नितिन कुमार शुक्ला बिलासपुर से सक्ती, नागेश्वर मिश्रा कांकेर, एसके नामदेव दुर्ग से गोदाम प्रभारी दुर्ग में पदस्थ किया गया है।

सरकारी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही पर भड़के सांसद भोजराज नाग, कहा- 'गड़बड़ी की तो काट दूंगा नींबू'

रायपुर। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मियों को कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग ने जमकर फटकार लगाई है। उन्होंने आज पखांजुर में आयोजित जिला स्तरीय आवास में अपने संबोधन के दौरान लापरवाही करने वालों के लिए नींबू काटकर भूत भागने की बात तक कह डाली। उनका इस बयान का वीडियों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

सांसद भोजराज नाग ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि मैं पहले भी कहा हूं और अब भी कह रहा हूं कि जो केंद्र सरकार की योजनाएं हैं, जो राज्य सरकार की योजनाएं हैं,

इन योजनाओं को कुछ लोगों द्वारा चाहे वह ठेकेदार हों या कुछ अधिकारी कर्मचारी हों, पलीता लगाने का काम किया जा रहा है। जल जीवन मिशन में लापरवाही बरती जा रही है, प्रधानमंत्री आवास योजना में भी गड़बड़ी कर रहे हैं। ऐसे लोगों को मैं सचेत करना चाहता हूं और उन्हें बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार 'नर सेवा ही नारायण सेवा' इस भाव से काम कर रही है। यदि ऐसे लोग इस काम में बाधा पहुंचाने का प्रयास करेंगे, तो ऐसे लोगों का 'नींबू काटा' जाएगा। गौरतलब है कि सांसद भोजराज नाग इससे पहले भी अपने विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। एक दफा विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने अपर कलेक्टर और कलेक्टर पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मैं कई बार अधिकारियों का भूत उतारा हूं, जनप्रतिनिधि भी हूं, बैगा भी हूं। अधिकारियों का भूत उतार दूंगा। लोकसभा चुनाव में प्रचार के समय भी भोजराज नाग ने नींबू काट कर समस्या दूर करने की बात चुनावी सभा की थी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.